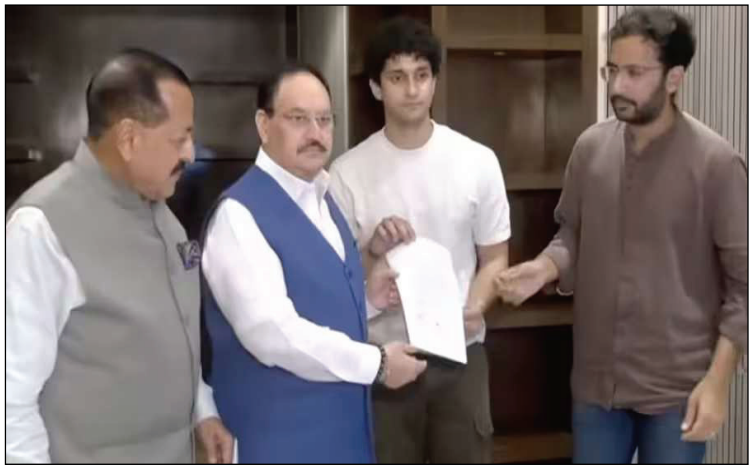




सरकार और सीजेपी के बीच करीब दो घंटे चली बैठक

•धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर आज तक जवाब देगी सरकार



एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कॉंग्रेस जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मौजूदा हालात और विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कॉंग्रेस जनता पार्टी

लेने को दो मांगों पर इन-प्रिसिपल मंजूरी दे दी है।' दिल्ली: कॉंग्रेस जनता पार्टी (CJP) के साथ मीटिंग के बाद, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, '...मीटिंग लगभग 2 घंटे चली...उनकी

सपा सांसदों की सरकार से मांग- एनटीए को तुरंत परीक्षा प्रक्रिया से बाहर करे सरकार, इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के दौरान छात्र आंदोलन, नीट परीक्षा विवाद और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर सपा के सांसदों ने अन्याय करने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को परीक्षा प्रक्रिया से हटाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। सपा सांसद ड्रिपल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार छात्रों के मुद्दे को खत्म करना चाहती है, जबकि वास्तविकता यह है कि देशभर से परीक्षा प्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में छात्रों के हित में काम करना चाहती है तो सबसे पहले एनटीए को परीक्षा प्रक्रिया से हटाना चाहिए। इतने बड़े आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए था। ड्रिपल यादव ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया। दिल्ली पुलिस केंद्र सरकार के अधीन कार्य करती है, इसलिए छात्रों के साथ हुई कार्रवाई की जिम्मेदारी भी केंद्र सरकार की है।

छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में नहीं दायर की गई थी कोई याचिका : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि उन्होंने 'संसद चलो' मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में कोई रिट याचिका दाखिल ही नहीं की गई थी बल्कि केवल एक पत्र भेजा गया था। खुली अदालत में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'यह पूरी तरह गलत बताया गया कि मामला कोर्ट में दाखिल किया गया था और मुख्य न्यायाधीश ने उसे सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। सुबह 10 बजे तक कोर्ट में इस मामले का एक भी पन्ना दाखिल नहीं हुआ था। केवल एक प्रतिनिधित्व (पत्र) भेजा गया था। मैं उसे रिट याचिका कैसे मान सकता हूँ? इसके बावजूद लोग गैर-जिम्मेदारी से खबरें चला रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'किसी मिश्रा नामक व्यक्ति ने इसका जिक्र किया।' मीडिया ने गलत तरीके से रिपोर्ट किया कि मैंने मामले को सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया जबकि यह सिर्फ एक प्रतिनिधित्व था। मैंने रजिस्ट्री से जांच की और पाया कि एक भी दस्तावेज दाखिल नहीं हुआ था।

नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा सुधारों का पूरा रोलमैप, अगली सुनवाई 3 अगस्त को

नई दिल्ली। नई दिल्ली । नीट पेपर लीक से जुड़ी याचिकाओं पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के लिए व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि पूरी सुधार प्रक्रिया पर सर्वोच्च स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि सरकार के लिए बच्चों का हित सर्वोपरि है। उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर गंभीरता से काम किया जा रहा है और जल्द ही सरकार इस संबंध में विस्तृत जानकारी अदालत के सामने रखेगी। तुषार मेहता ने कहा कि सरकार प्रश्नपत्र की छपाई से लेकर परीक्षा केंद्रों तक उसके सुरक्षित पहुंचने और छात्रों तक पूरी प्रक्रिया का विस्तृत ब्योरा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राधाकृष्णन समिति की सभी सिफारिशों को लागू किया जा रहा है।



सीजेपी प्रदर्शन :डीएमआरसी ने बंद किया नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन, इंटरचेंज सुविधा भी निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली । जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने अगले आदेश तक नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया है। इस स्टेशन पर कोई इंटरचेंज सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि अगले आदेश तक नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन बंद रहेगा। इस स्टेशन पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। 'एक्स' पोस्ट में डीएमआरसी ने आगे



लिखा, 'किसी भी असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है।' हालांकि, डीएमआरसी ने नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन को बंद करने का कारण नहीं स्पष्ट नहीं किया है। राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शनों के कारण मध्य दिल्ली के 17 मेट्रो स्टेशन पहले से बंद हैं। गुरुवार को डीएमआरसी ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कई इंतजामों के बीच सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक 17 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने का फैसला लिया। राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट जैसे स्टेशनों पर एंटी और एग्जिट बंद कर दी गई थी, लेकिन इन अहम जंक्शनों पर इंटरचेंज की सुविधा चालू रखी गई। प्रभावित स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान शामिल थे। झंडेवालान को इस लिस्ट में बाद में जोड़ा गया था।

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल, सबूत नहीं तो फास्ट ट्रेक कोर्ट का क्या मतलब

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेपर लीक मामले पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए फास्ट ट्रेक कोर्ट बनाने की घोषणा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि जांच एजेंसियां अदालत में पर्याप्त सबूत ही पेश नहीं करेगी, तो फास्ट ट्रेक कोर्ट बनाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह आश्वासन केवल दिखावा साबित हो रहा है। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के मामले की त्वरित सुनवाई के लिए संसद में कानून लाकर फास्ट ट्रेक कोर्ट बनाने का आश्वासन दिया था। लेकिन उनके अनुसार, इसी बीच वर्ष 2024 के नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अदालत में कथित तौर पर यह कहे जाने से कि मुख्य आरोपी संजीव मुखिया के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं मिले, सरकार के दावों पर सवाल खड़े हो गए हैं। आप प्रमुख ने दावा किया कि वर्ष 2024 में नीट पेपर लीक के समय सरकार ने संजीव मुखिया को पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताया था और बड़े स्तर पर उसकी गिरफ्तारी को उपलब्ध के रूप में पेश किया गया था। हालांकि अब यदि सीबीआई अदालत में उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने की बात कह रही है, तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आखिर इस मामले का वास्तविक मास्टरमाइंड कौन है।

सीबीआई ने सऊदी अरब से एनआईए के वांछित आरोपित मुहम्मदअली कन्नीर पल्लियालिल का प्रत्यर्पण कराया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सऊदी अरब से वांछित आरोपित मुहम्मदअली कन्नीर पल्लियालिल का देश में वापस प्रत्यर्पण (डिपॉजिटेशन) कराया है। एनआईए को गैरकानूनी गतिविधियों और हत्या के मामले में वांछित था। उसे 23 जुलाई को सऊदी अरब से भारत लाया गया। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के समन्वय से प्रत्यर्पण कराया। मुहम्मदअली कन्नीर पल्लियालिल अपने साथियों के साथ एक व्यापक साजिश के तहत घातक हथियारों से लैस हेलिकॉप्टर के व्यक्ति की दुकान में जबरन घुसा था। आरोप है कि आरोपितों ने पीड़ित को अवैध रूप से रोककर उस पर जानलेवा हथियारों से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। एनआईए के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के माध्यम से आरोपित के खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया था।

•सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

बिना पूर्व अनुमति कोर्ट कार्यवाही के ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया कि अदालत की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के पोस्ट, दोबारा पोस्ट या अपलोड नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के संबंधित महासचिव या हार्डकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पहले अनुमति लेनी होगी।

श्रीर्ष कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों से मांगा जवाब

चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने अदालत की लाइव स्ट्रीमिंग और

याचिकाकर्ता और सॉलिसिटर जनरल ने क्या कहा?

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अदालत की कार्यवाही के वीडियो के गलत इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विकास सिंह की बात से सहमति जताई और कहा कि इस मामले में कुछ नियमों की जरूरत है।

कार्यवाही के वीडियो सोशल मीडिया पर गलत इस्तेमाल से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब भी मांगा है।

पीठ ने अंतरिम आदेश में क्या कहा? पीठ ने अंतरिम आदेश में कहा, यह निर्देश दिया जाता है कि इस अदालत के महासचिव या संबंधित

धर्मेंद्र प्रधान एक क्रिमिनल एजुकेशन मिनिस्टर हैं,उन्हें हटाना होगा : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान एक क्रिमिनल एजुकेशन मिनिस्टर हैं। उन्हें हटाना होगा। वह हमारे एजुकेशन सिस्टम के खत्म होने की निशानी हैं। उन्हें जाना होगा। वह ही वजह है कि हजारों लोग बाहर हैं। उन्हें जाना होगा।' लोकसभा के शुष्क राहुल गांधी मीडिया के सामने एक आदमी को लाते हैं जिसके बारे में उनका दावा है कि वह स्टूडेंट्स के प्रोटेस्ट के दौरान पेलेट गन से घायल हुआ था। उन्होंने कहा 'मैं यह बताना चाहता हूँ कि मेरा भाई यहां खड़ा है, जब वह शांति से प्रोटेस्ट कर रहा था, तिरंगा पकड़े हुए

था, तो उसे पेलेट गन से चोट लगी थी। सरकार ने कहा है कि कोई पेलेट गन इस्तेमाल नहीं की गई। उसकी आंख को नुकसान पहुंचा है, और



उसकी आंखों की रोशनी चली गई है। ऐसे हजारों युवाओं पर लाठीचार्ज किया गया, और उनके खिलाफ पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया। उसने पुलिस भर्ती के लिए एजाम दिया, लेकिन पेपर लीक हो गया।

मेहसाणा में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल

शराब और जुए के नेटवर्क पर ‘महानगर मेट्रो’ का बड़ा खुलासा

पुलिसकर्मियों पर कथित संरक्षण और करोड़ों की हफ्ता वसूली के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

महसाणा। गुजरात में पूर्ण शराबबंदी के दावों के बीच मेहसाणा जिले से बेहद चौकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। जिले के कई क्षेत्रों में अवैध शराब की भंडियां और जुए के अड्डे बेधड़क चलाए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन के कुछ अधिकारियों, कथित बिचौलियों (वहीवटदार) और भूमिकाधियों की साठगांठ के कारण यह काला कारोबार फल-फूल रहा है।

खाकी और असामानाजिक तत्वों का कथित गठजोड़

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मेहसाणा जिले में अवैध गतिविधियों का यह पूरा नेटवर्क कथित रूप से संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा है

कथित संलिप्तता: एलसीबी शाखा के अधिकारी, कथित वहीवटदार तरुण डाभी, जिले से बाहर का एक पीसीआई और प्रमुख बूटलेगर इमरान मिलकर इस पूरे नेटवर्क का प्रबंधन कर रहे हैं।

हफ्ता वसूली के आरोप: जिले के विभिन्न इलाकों से रोजाना लाखों रुपये की अवैध हफ्ता वसूली किए जाने की चर्चाएं ज़ोरों पर हैं।

गुप्त सूचना लीक करने का दावा: स्टेट मॉनिटरिंग सेल में तैनात जिले का ही एक पुलिस कांस्टेबल, छापेमारी की पूर्व जानकारी तरुण डाभी तक पहुंचा देता है, जिससे कार्रवाई से पहले ही अड्डों को बंद करवा दिया जाता है।

कथित गठजोड़

एलसीबी अधिकारी वहीवटदार तरुण डाभी जिले से बाहर का पीसीआई मुख्य बूटलेगर इमरान इस नेटवर्क द्वारा संगठित तरीके से अवैध कारोबार

अवैध शराब भंडियां

जुए के अड्डे

गुप्त सूचना लीक!

छापेमारी की पूर्व जानकारी लीक, कार्रवाई से पहले अड्डे बंद!

थानावार अवैध गतिविधियां

बावलु याना लोर गांव, ठाकोरवास के पास - बड़े पैमाने पर जुआ घाम नंददास, कडी, सांथल, लंगणेज बाग अंग्रेजी शराब की बिक्री और केमिकल युक्त देशी शराब की भंडियां सक्रिय राजधानी और LCB शाखा का वित्तीय प्रबंधन - तरुण डाभी

पुराने विवाद और राजनीतिक संरक्षण?

तरुण डाभी और राजस्थान के आशु अग्रवाल पर विदेशी शराब तस्करी के आरोप

कोटेनर केस में इमरान और तरुण डाभी का नाम आया

राजनीतिक दबाव में नाम हटवाने के आरोप

हमारी मांगें

गृह विभाग का हस्तक्षेप गृह राजमंत्री हर्ष संघवी करें निष्पक्ष और त्वरित जांच

सख्त दंडात्मक कार्रवाई दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों पर तुरंत कार्रवाई हो

लट्टाकांड की आशंका!

केमिकल युक्त देशी शराब के मिश्रण से बड़ी जनहानी की आशंका! जिम्मेदारी कौन लेगा?

थानावार अवैध गतिविधियों का ब्योरा

जिले के कई थाना क्षेत्रों में अवैध गतिविधियां बिना किसी उर के चल रही हैं

बावलु पुलिस स्टेशन: लोर गांव में ठाकोरवास के पास स्थित खेतों में बड़े पैमाने पर जुआ धाम चलाए जाने की खबरें हैं।

नंददास, कडी, सांथल और लंगणेज: इन थाना क्षेत्रों में अंग्रेजी शराब की बिक्री के साथ-साथ केमिकल युक्त देशी शराब की भंडियां सक्रिय हैं।

चार-चार थानों का प्रभार: आरोपी

वहीवटदार तरुण डाभी द्वारा कथित तौर पर चार पुलिस स्टेशनों और एलसीबी शाखा का वित्तीय प्रबंधन देखा जा रहा है।

पुराने विवाद और राजनीतिक संरक्षण का मामला

इससे पहले जब अचल त्यागी मेहसाणा के एसपी के रूप में कार्यरत थे, तब भी गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। 'जब तरुण डाभी बावलु पुलिस स्टेशन में तैनात था, तब राजस्थान के सांचौर के शराब व्यापारी आशु अग्रवाल के साथ मिलकर विदेशी शराब की तस्करी करने के आरोप लगे थे। उस समय तत्कालीन एसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे संतरी ड्यूटी पर भेज दिया था। इसके बाद पकड़े

गए शराब के एक कंटेनर केस में भी इमरान और तरुण डाभी का नाम आया था, लेकिन कथित राजनीतिक दबाव के कारण नाम हटवाने के आरोप लगे थे।

लट्टाकांड की आशंका और उच्चस्तरीय जांच की मांग

मेहसाणा जिले में जिस तरह केमिकल युक्त देशी शराब का निर्माण हो रहा है, उससे भविष्य में किसी बड़े लट्टाकांड (जहरीली शराब त्रासदी) की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि ऐसी कोई घटना होती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या पुलिस अधीक्षक हिमांशु सोलंकी, एलसीबी अधिकारी या यह कथित वहीवटदार इसकी जिम्मेदारी लेंगे?

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए 'महानगर मेट्रो' प्रशासन और राज्य सरकार से निम्नलिखित मांगें करता है:

- एसबी (घृष्ट्रिका) जांच: इस पूरे मामले में शामिल अधिकारियों, कर्मचारियों और वहीवटदारों की संपत्तियों तथा वित्तीय लेन-देन की एंटी करशान ब्यूरो द्वारा गहन जांच की जाए।
- गृह विभाग का हस्तक्षेप: राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी इस पूरे मामले में निष्पक्ष और त्वरित जांच के आदेश दें।
- सख्त दंडात्मक कार्रवाई: जिले में कानून-व्यवस्था बहाल करने और जनता में विश्वास पुनः कायम करने के लिए दोषी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

राजपारदी नगर में राज राजेश्वरी सोसाइटी के निवासियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया और सिस्टम चल रहा था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। झगड़िया तालुका के राजपारदी नगर में कल रात से भारी बारिश हो रही है। झगड़िया तालुका में आज सुबह से आठ घंटे में चार इंच से अधिक बारिश हुई और तालुका के निचले इलाके पानी में डूब गए। इस बीच, दोपहर में, राजपारदी नगर के राज राजेश्वरी सोसाइटी में, राजपारदी से झगड़िया जाने वाले मुख्य राजमार्ग के पास, पास के नाले से अचानक बारिश का पानी भरने लगा। यह बारिश का पानी सोसाइटी के निवासियों के घरों में भर गया, जिससे नुकसान सहित बड़ी मुश्किलें हुईं। इस क्षेत्र में वर्षों से बारिश का पानी भरने की समस्या है, और निवासियों ने गुस्से में आकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाली सड़क पर सड़क को अवरुद्ध करते हुए वाहनों की लंबी कतारें लगा दी। सोसायटी के लोगों ने बताया कि इस सोसायटी में सालों से बारिश का पानी भरने की समस्या है। हर मानसून के मौसम में घरों में पानी भर जाता है और गाड़ियों के इंजन पानी में डूब जाते हैं, जिससे अक्सर नुकसान होता है। छोटे बच्चों के साथ बाढ़ के डर से वे रात में सो भी नहीं पाते। लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और तालुका एडमिनिस्ट्रेशन को बार-बार बताने के बाद भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला और उन्होंने सड़क जाम करके एडमिनिस्ट्रेशन को जगाने की कोशिश की। सोसायटी के लोगों ने यूनिटी को जोड़ने वाली सड़क पर जाम लगा दिया, और एडमिनिस्ट्रेशन भाग रहा था।

CBI ने NEET-UG पेपर लीक के ‘मुख्य मास्टरमाइंड’ को वलीन चिट दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश की सबसे बड़ी और सबसे प्रतिष्ठित NEET-UG 2024 परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। देश भर के लाखों होनहार स्टूडेंट्स दिन-रात मेहनत कर रहे थे, तभी पेपर लीक की खबर ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया। इस केस की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी CBI को सौंपी गई थी। लेकिन अब इस मामले में एक चौकाने वाला मोड़ आया है, जिससे शिक्षा जगत और देश के इंसाफ पसंद नागरिकों में भारी हलचल मच गई है। संजीव मुखिया, जिसे इस पूरे पेपर लीक कांड का ‘मुख्य मास्टरमाइंड’ और किंगपिन माना जा रहा था, उसे CBI ने क्लीन चिट दे दी है। यह खबर सामने आते ही पूरे देश में एक बार फिर गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा। संजीव मुखिया, जिसे इस पूरे पेपर लीक कांड का ‘मुख्य मास्टरमाइंड’ और किंगपिन माना जा रहा था, उसे CBI ने क्लीन चिट दे दी है। यह खबर सामने आते ही पूरे देश में एक बार फिर गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा। संजीव मुखिया, जिसे इस पूरे पेपर लीक कांड का ‘मुख्य मास्टरमाइंड’ और किंगपिन माना जा रहा था, उसे CBI ने क्लीन चिट दे दी है। यह खबर सामने आते ही पूरे देश में एक बार फिर गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा। क्या माफिया सिस्टम पर जीत गए? इस केस में शुरू से ही दावा किया जा रहा था कि संजीव मुखिया और उसके गैंग ने पेपर लीक का एक बड़ा नेटवर्क चलाया था जिसका टर्नओवर करोड़ों रुपये का था। लेकिन CBI की चार्जशीट और क्लीन चिट के बाद अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं जांच एजेंसियों का फेल दावा?: जिन दावों के साथ शुरुआत में बड़ी रेड की गई थी, वे अचानक कोर्ट के सामने कमजोर क्यों पड़ गए? लाखों कैडिडेट्स का टूटा भरोसा: यह फैसला दिन-रात मेहनत करने वाले ईमानदार स्टूडेंट्स के लिए बड़ा झटका है। अगर मुख्य आरोपियों को ही छोड़ दिया जाएगा, तो सिस्टम पर कौन भरोसा करेगा.

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा का PM मोदी पर कड़ा रिएक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/नई दिल्ली। NEET एग्जाम में गड़बड़ी और पेपर लीक की घटनाओं को लेकर देशभर में लाखों स्टूडेंट्स, युवा और पेरेंट्स सड़कों पर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर देश के अलग-अलग कोनों में युवा अपने भविष्य के लिए आवाज उठा रहे हैं। इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर इशारा किया था कि पेपर लीक के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। लेकिन इस पोस्ट के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा के रिक्शन ने सोशल मीडिया पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दीया मिर्जा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री के पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए सीधे पूछा, ‘आपको कुछ कहने में 47 दिन लग गए...’ एक्ट्रेस दीया मिर्जा का यह बयान सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। यह पहली बार है जब किसी बड़ी बॉलीवुड हस्तી ने स्टूडेंट प्रोटेस्ट और जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के बीच इतने कड़े शब्दों में प्रधानमंत्री की चुप्पी और देरी पर सीधे सवाल उठाए हैं। 47 दिनों की चुप्पी पर हमला: दीया मिर्जा का इशारा था कि जब देश के लाखों युवा सड़कों पर थे और अपने भविष्य के लिए रो रहे थे, तो इतने दिनों तक अधिकारियों की तरफ से तुरंत कोई साफ जवाब क्यों नहीं आया युवाओं का सपोर्ट या पब्लिसिटी?: दीया मिर्जा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर दो गुप बन गए हैं।

स्मार्ट सिटी के ‘डेवलपमेंट’ के ‘अंडरग्राउंड’ राज की पोल खुल गई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा में, मॉनसून की सामान्य बारिश ने नगर निगम प्रशासन और भ्रष्टाचार की कड़वी सच्चाई को सामने ला दिया है। वडोदरा के गोत्री इलाके में गायत्री स्कूल के पास एक बहुत ही चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ केंद्र सरकार की योजना के तहत आई एक बिल्कुल नई PM इलेक्ट्रिक बस अचानक सड़क पर फंस गई और जमीन पर खराब हो गई। बारिश शुरू होते ही वडोदरा की सड़कें लगातार बह रही हैं और कीचड़ से भर गई हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कें पानी के कुछ ही छंटों में बह गईं, जो सीधे तौर पर नगर पालिका और ठेकेदारों की मिलीभगत की ओर इशारा करती हैं।

ठेकेदार की लापरवाही: गोत्री गायत्री स्कूल जैसे व्यस्त इलाके में नवीनकोर इलेक्ट्रिक बस का सड़क पर फंसना साफ दिखाता है कि सड़क बनाने में आटा, पानी और लकड़ी जैसा घट्टिया काम किया गया है। जब तक लापरवाह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करके जेल नहीं भेजा जाता, वडोदरा के नागरिकों की जान खतरे में पड़ती रहेगी।

रक्षक या भक्षक ?

खाकी का काला खेल

गृह मंत्री के ‘जीरो टॉलरेंस’ दावों की निकली हवा: करजन में हर महीने करोड़ों की अवैध वसूली का सनसनीखेज आरोप!

पुलिस की गाड़ियां सायरन बजाकर गुजरती हैं, लेकिन शराब की भट्टियों तक जाने की हिम्मत नहीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजन। महात्मा गांधी के गुजरात में पूर्ण शराबबंदी के दावे केवल कागजों तक सीमित रहने के कई मामले आपने सुने होंगे, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका में जिस तरह कानून और व्यवस्था की संर आम नीलामी हो रही है, उसे देखकर पूरा गृह मंत्रालय और पुलिस प्रशासन शर्मसार हो जाए। सत्ता के नशे में अंधी हुई ‘खादी’ और हप्ता वसूली में अंधी हुई ‘खाकी’ की साठगांठ ने पूरे करजन तालुका को अपराध का एक सड़ा हुआ अड्डा बना दिया है। गृह मंत्री के ‘जीरो टॉलरेंस’ के दावों की धज्जियां उड़ते हुए इस काले कारोबार का ‘महानगर मेट्रो’ आंकड़ों और सबूतों के साथ सनसनीखेज खुलासा कर रहा है।

थाना क्षेत्र की नाक के नीचे से गांव-गांव तक फैला काला जाल

करजन तालुका में किस जगह, किसके संरक्षण में और किन अफाओं की छत्रछाया में यह काला कारोबार चल रहा है, उसकी विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है:

करमडी गांव (थाने से मात्र 2 किमी दूर): करजन पुलिस स्टेशन के ठीक पास स्थित इस गांव में दिन-रात देशी शराब की भट्टियों से धुआं निकलता है। पुलिस की गाड़ियां वहां से सायरन बजाते हुए गुजर जाती हैं, लेकिन इन भट्टियों पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पाती।

कुराली गांव (नवी नगरी): पानी की टंकी के पास नगीन नाम का शख्स खुलेआम वली मटका का सड़ा खिलवाकर युवाओं की मेहनत की कमाई लूट रहा है।

सापा गांव: नई बसाहट के पास इसी नगीन द्वारा जुए का दूसरा अड्डा बिना किसी खीफ के चलाया जा रहा है।

राणापुर और चीमकी गांव: राणापुर गांव का सरपंच पार्थ शाह, जिसे भाजपा युवा मोर्चा के पद का समर्थन प्राप्त है, उसके द्वारा चीमकी गांव में विदेशी शराब की बड़ी



खेप उतारकर बिक्री करवाने के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

कंडारी गांव: टावर के पास प्रदीप वसावा नाम का व्यक्ति बेखीफ होकर अंग्रेजी शराब की बिक्री कर रहा है।

बारीयावास: यहां परेश कांतिलाल नाम का शातिर बूटलेगर विदेशी शराब का खुला व्यापार चला रहा है।

गृह राज्य मंत्री के दावों को सीधा चैलेंज!

राज्य के गृह मंत्री अक्सर शराब और अवैध गतिविधियों के खिलाफ ‘जीरो टॉलरेंस’ के बड़े-बड़े भाषण देते हैं, लेकिन करजन के इन हालातों को देखकर लगता है कि भ्रष्ट खाकी और राजनीतिक आकाओं की शह पर बैठे लोग सीधे गृह मंत्री के आदेशों को पैरों तले रेंद रहे हैं। युवा पीढ़ी शराब और जुए की लत में बर्बाद हो रही है

एक बारिश में 850 करोड़ रुपये पानी में डूबे, कॉर्पोरेटर परेशान और लोग दहशत में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। फाइनेंशियल कैपिटल और तथ्याकथित ‘स्मार्ट सिटी’ अहमदाबाद में मेघराज की सिर्फ एक इनिंग ने लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और BJP नेताओं की जेबें खोल दी हैं। करोड़ों रुपये के प्री-मॉनसून काम और ड्रेनेज लाइन प्रोजेक्ट्स के दावे पहले ही बारिश में बह गए हैं। अहमदाबाद के पॉश इलाकों से लेकर आम सोसाइटियों तक, हर जगह वॉटर-बम जैसी हालत हो गई है।

850 करोड़ रुपये का भारी खर्च: यह पैसा कहाँ गया?



पानी मिलता है। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि चुने हुए कॉर्पोरेटरों की माली हालत 5 साल में सोच से भी ज्यादा कैसे बढ़ सकती है? गणित समझना आसान है: जो व्यक्ति कॉर्पोरेटर बनने से पहले 12,000 से 18,000 रुपये महीने की सैलरी पाता था, वह सत्ता में आने के सिर्फ 5 साल में करोड़पति कैसे बन गया? उनके पास महंगी कारें, शानदार बंगले और बेनामी प्रॉपर्टी कहीं से आती हैं? क्या ये नेता 5 साल के लिए लोगों की सेवा करने आए हैं या अपनी पीढ़ियों को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये कमाने आए हैं? ये चेहरे जो जनता की सेवा का मुखौटा पहनकर घूमते हैं, असल में ‘देशभक्ति’ के नाम पर सिर्फ ‘पैसे की भक्ति’ कर रहे हैं। जब भी लोग अपने हक और सुविधाओं के बारे में सवाल पूछते हैं, तो

बड़े-बड़े भाषण और देशभक्ति के नारे देकर मुद्दे को भटका दिया जाता है। लेकिन अब लोग बेवकूफ नहीं हैं। देशभक्ति का मतलब लोगों का पैसा लूटना या सड़कों को स्विमिंग पूल बनाना नहीं है। अगर अहमदाबाद जैसे बड़े शहर का एक ही बारिश में यह हाल है, तो हुक्मरानों को कान पकड़कर जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए। जुनागढ़ हो या अहमदाबाद, पूरे गुजरात की नगर पालिकाओं में यही पैटर्न चल रहा है—अफ़सरों और नेताओं की मिलीभगत, करोड़ों के घोटाले और आखिर में, बेगुनाह जनता को परेशान किया जा रहा है। अब समय आ गया है कि अहमदाबाद के लोग भी इस भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ आवाज़ उठाएं और अपने हक़ के पैसे का हिसाब मांगें।

बाढ़ की आसमान छूती आफ़त के बीच, गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी चिखली के हरंगम और नाडी फलिया पहुँचे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी / चिखली। दक्षिण गुजरात में मेघराजा की वजह से आई बाढ़ की वजह से कई ग्रामीण इलाके चमगादड़ बन गए हैं। भयंकर बाढ़ के बीच नवसारी ज़िले के निखली तालुका में हालात बहुत गंभीर हो गए हैं। ऐसे मुश्किल हालात में, गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी खुद प्रभावित लोगों की मदद के लिए ग्राउंड जीरो पर उतरे हैं और राहत के काम का जायज़ा लिया है। हर्ष सांघवी ने चिखली के बाढ़ प्रभावित हरंगम और नाडी फलिया इलाकों का दौरा किया। वे बाढ़ के पानी के बीच स्थानीय लोगों के पास पहुँचे और पानी के लेवल का जायज़ा लिया और मुश्किल में फंसे परिवारों से सीधे बातचीत की। इस दौर

के दौरान, गृह राज्य मंत्री ने पानी में फंसे और परेशान लोगों की समस्याओं और तकलीफों को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हिम्मत दी और साफ शब्दों में कहा यह प्राकृतिक आपदा कितनी भी बड़ी क्यों न हो, गुजरात सरकार हर परिवार का सहारा बनकर उनके साथ खड़ी है। मंत्री ने मौके से ही स्थानीय प्रशासन, कलेक्टर और बचाव टीमों को आदेश दिया कि प्रभावित लोगों को खाना, पीने का साफ पानी और मेडिकल मदद देने में कोई देरी न हो। निचले और खतरनाक इलाकों में रहने वाले लोगों से जोर देकर कहा गया है कि उन्हें तुरंत सुरक्षित जगह पर ले जाया जाए और उनके रहने और खाने का सही



इंतज़ाम किया जाए।

महानगर मेट्रो एनालिसिस: जब कोई नेता लोगों तक पहुँचता है तो भरोसा दोगुना हो जाता है जब कोई जनप्रतिनिधि, आपदा के समय AC कमरे से सिर्फ निर्देश देने के बजाय, लोगों के आंसुओं तक पहुँचता है, तो आम नागरिक में एक

नया भरोसा जागता है। हर्ष सांघवी के हरंगम और नाडी फलिया के दौरे ने बाढ़ पीड़ितों को पल भर के लिए यह भरोसा दिया है कि वे इस मुश्किल समय में अकेले नहीं हैं। प्रशासन और राज्य सरकार युद्ध स्तर पर राहत अभियान चला रही है, ताकि स्थिति जल्द से जल्द सामान्य हो सके।

जेल रिटर्न वहीवटदार और LCB ASI के राज में करजन में कानून की धज्जियां!

महानगर मेट्रो के 5 तीखे सवाल अगर प्रशासन में हिम्मत है तो दे जवाब

1. जो कर्मचारी शराब तस्करी के केस में जेल जा चुका हो, उसे दोबारा किस आका के इशारे पर करजन में सेट किया गया?

2. थाने से महज 2 किलोमीटर दूर चल रही शराब की भट्टियां जिला एसपी या LCB PI को क्यों दिखाई नहीं देती? क्या उन तक भी हफ्ते का हिस्सा पहुँच रहा है?

3. जो जक्त शराब को ही बूटलेगरों को बेच डालता है, उस हनुभा कामडिया के खिलाफ केस दर्ज कर उसे दोबारा जेल कब भेजा जाएगा?

4. क्या डभोई बीट का एसएसआई भूपत रबारी पूरे जिले की LCB चला रहा है, यह बात सच है?

5. अगर करजन में शराब या जुए के कारण किसी का परिवार तबाह होता है या कोई हत्या जैसी बड़ी वारदात होती है, तो उसकी सीधी जिम्मेदारी किसकी होगी? SP, LCB PI या स्थानीय विधायक की? जब रक्षक ही भक्षक बन जाए और पुलिस ही बूटलेगर की भूमिका निभाने लगे, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए? स्थानीय जनता में आक्रोश का ज्वालामुखी फूट चुका है। ‘महानगर मेट्रो’ प्रशासन को चेतावनी देता है कि अगर इन भ्रष्ट हफ्ता वसूलने वालों और बूटलेगरों के खिलाफ तुरंत छापेमारी कर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो करजन की आक्रोशित जनता सड़कों पर उतरकर इस काले तंत्र को ध्वस्त कर देगी।

के बजाय बूटलेगरों को ही बेचकर लाखों रुपये की काली कमाई कर रहा है।

2. LCB ASI भूपत रबारी का दबदबा: डभोई बीट में तैनात एसएसआई भूपत रबारी, जो पूरे जिले की LCB का वहीवट (वित्तीय प्रबंधन) संभालने के आरोपों में फिरे हैं, उनका रोब और दबदबा जिला पुलिस अधीक्षक से भी ज्यादा होने की चर्चाएं वडोदरा पुलिस महकमे में ज़ोरों पर हैं।

3. 9 गांव और करोड़ों की अवैध वसूली: करजन तालुका के 99 गांवों से प्रति गांव 1 से 1.5 लाख रुपये का हफ्ता जोड़ें तो हर महीने करोड़ों रुपये का काला धन जुटाकर उच्च अधिकारियों तक पहुँचाया जाता है। इसके अलावा प्रभावशाली नेताओं को विदेशी शराब की महंगी बोतलें नजराने के रूप में भेजी जाती हैं।

अहमदाबाद के बोपल में भारी बारिश: मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल खुद पानी में पहुंचे और जायजा लिया!



अहमदाबाद। मेघराजा ने अहमदाबाद शहर समेत पूरे राज्य में तूफानी बल्लेबाजी की है। लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से अहमदाबाद का बोपल इलाका डूब गया है और हर तरफ पानी भरने की स्थिति बन गई है। सोसाइटियों और मुख्य सड़कें पानी में डूबी होने से स्थानीय लोग परेशान हैं। ऐसी मुश्किल और गंभीर स्थिति की गंभीरता को समझते हुए राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल खुद ग्राउंड जीरो पर उतरे। मुख्यमंत्री बिना किसी परवाह के खुद घुटनों तक पानी में उतरे और बोपल इलाके के हालात का जायजा लिया। लोकल लोगों से सीधी बातचीत और सिस्टम को तुरंत एक्टिवेट करना मुख्यमंत्री ने पानी में डूबे और परेशान लोगों के बीच पहुँचकर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें सरकार की तरफ से पूरी मदद का भरोसा दिलाया। ऑन-साइट रिव्यू: मुख्यमंत्री ने पानी निकालने के सिस्टम और राहत कामों के बारे में लोकल अधिकारियों से ऑन-साइट डिटेल में बातचीत की। मैनपावर और इक्विपमेंट का तुरंत बंटवारा: अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बाढ़ और पानी में डूबे लोगों को जल्दी से बचाने के लिए एक्सट्रा मैनपावर, पॉपिंग मशीनरी और बचाव के इक्विपमेंट तुरंत उपलब्ध कराए जाएं।

राहत ऑपरेशन युद्ध स्तर पर चलाने का आदेश: सिस्टम को एक्शन मोड में काम करने के लिए सड़कों से कहा गया है ताकि प्रभावित इलाकों से पानी जल्दी निकल जाए और ज़रूरतमंदों तक बेसिक सुविधाएं पहुँच सकें।

दिल्ली जंतर-मंतर पर ‘गोदी मीडिया’ का बॉयकॉट: स्टूडेंट्स का गुस्सा या मीडिया के भरोसे पर सवाल?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपने भविष्य और इंसाफ के लिए आंदोलन कर रहे स्टूडेंट्स और युवाओं के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। पूरे देश में इस बात पर चर्चा हो रही है कि आंदोलन कर रहे युवा कुछ मेनस्ट्रीम न्यूज़ चैनलों और उनके पत्रकारों का बॉयकॉट कर रहे हैं। एक तबका मानता है कि स्टूडेंट्स मीडिया के साथ गलत बर्ताव कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ, युवा बता रहे हैं कि उन्हें यह कदम उठाने पर क्यों मजबूर होना पड़ा है। मेनस्ट्रीम न्यूज़ चैनलों के मालिकों और उनके पॉलिटिकल कनेक्शन के बारे में कुछ बातें सोशल मीडिया और विरोध की जगह पर वायरल हो रही हैं, जिससे मीडिया की न्यूट्रलता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वायरल आंकड़ों और न्यूज़ चैनलों की ऑनरशिप के बीच कनेक्शन पर बड़े सवाल स्टूडेंट्स और एनालिस्ट्स के बताए आंकड़ों के मुताबिक, देश के टॉप न्यूज़ चैनलों की ऑनरशिप और उनके सीनियर चेहरे कहीं न कहीं किसी खास पॉलिटिकल या इकोनॉमिक फायदे से जुड़े दिख रहे हैं जिसके पुराने मालिक सुभाष चंद्र अग्रवाल रूलिंग पार्टी के सपोर्ट से राज्यसभा MP रह चुके हैं। स्टूडेंट्स का आरोप है कि जब वे अपने भविष्य, पेपर लीक और रोज़गार जैसे गंभीर मुद्दों पर आवाज़ उठाते हैं, तो ये चैनल उनकी असली मांगों को दिखाने के बजाय मुद्दे को भटकाने या उन्हें बदनाम करने की कोशिश करते हैं। युवाओं का कहना है कि जो मीडिया सिर्फ अधिकारियों का आवाज़ बनकर रह जाए और लोगों की समस्याओं को नज़रअंदाज़ करे, उसे जंतर-मंतर जैसे लोकतांत्रिक मंच पर उन्हें कवर करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आंदोलनकारियों का यह बॉयकॉट सिर्फ एक चैनल के खिलाफ विरोध नहीं है, बल्कि एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ गुस्सा है जहाँ पत्रकारिता जनता की चिंताओं से ज्यादा राजनीतिक और आर्थिक हितों को प्राथमिकता देती दिखती है।

‘जेल में जाकर भी इस्तीफा ना देने वाले’, पेपर लीक पर मनीष सिसोदिया और कपिल मिश्रा यू भिड़ गए



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन लगातार जारी है। इस बीच अब सरकार और विपक्ष के बीच भी सियासी घमासान शुरू हो गया है। इसी क्रम में दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की एक पोस्ट पर जोरदार पलटवार किया है। दसअसल, मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए थे। इतना ही उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट का भी विरोध किया था। इसके बाद अब कपिल मिश्रा भी इस सियासी जंग में कूद गए और कराार जवाब दे दिया। दखअसल, मनीष सिसोदिया ने अपने एक्स हैडल पर लिखते हुए कहा कि मतलब...इतना बड़ा कांड हो गया, इतने सारे बच्चों ने आपके पेपर लीक कांड की वजह से सुसाइड कर लिया, देश की लगभग हर परीक्षा में घोटाला सामने आ गया, पूरे देश में लदरू सड़क पर उतरकर मॉग कर रहा है कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो। और आप कह रहे हैं कि- फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर नीचे के छोट-छोटे, चार प्राइवेट प्यादों को सजा दिलवा देंगे। लेकिन जांच की आंच अपने प्यारे वजीर पर नहीं आने देंगे। कहीं ऐसा तो नहीं है मोदी जी कि ये पेपर लीक का सारा खेल आपके दफ्तर से चलता हो? वहीं बीजेपी के मंत्री कपिल मिश्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि जेल में जाकर भी इस्तीफा ना देने वाले चोर , जरा अपनी 12वीं फेल की मार्कशीट तो दिखाओ। बता दें कि इससे पहले कपिल मिश्रा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी हमला बोला।

नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन अगले आदेश तक किया गया बंद, इंटरचेंज भी नहीं कर सकेंगे यात्री



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। CJP के विरोध-प्रदर्शन के बीच DMRC ने न्यू दिल्ली मेट्रो स्टेशन को अगले आदेश तक बंद कर दिया है. अब इस स्टेशन पर इंटरचेंज सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी. इससे पहले 17 मेट्रो स्टेशन भी बंद किए गए थे. राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था के चलते यह फैसला लिया गया है. राजधानी में CJP के प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन एक और बड़ा फैसला लिया है. DMRC ने न्यू दिल्ली मेट्रो स्टेशन को अगले आदेश तक बंद कर दिया है. ताजा अपडेट के मुताबिक, इस स्टेशन पर अब इंटरचेंज की सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी. DMRC ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर जारी सूचना में कहा कि ‘न्यू दिल्ली मेट्रो स्टेशन को अगले आदेश तक बंद किया गया है. इस स्टेशन पर कोई इंटरचेंज सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी. यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए हमें खेद है. इससे पहले DMRC ने सुरक्षा कारणों से शुक्रवार सुबह 7:30 बजे से 17 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद रखने की घोषणा की थी. उस समय राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर केवल इंटरचेंज की सुविधा जारी रखने का निर्णय लिया गया था.हालाकि अब न्यू दिल्ली मेट्रो स्टेशन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने होंगे.



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। 20 जुलाई के चलो संसद मार्च के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो रही भ्रामक सामग्री के बीच दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से चल रहे 480 सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान कर उन्हें ब्लॉक कर दिया है. पुलिस का कहना है कि ये अकाउंट अफवाहें फैलाकर खासकर छात्रों और युवाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे. कॉकरोच जनता पार्टी के 20 जुलाई के चलो संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर प्रदर्शन से जुड़े कई वीडियो और दावे तेजी से वायरल हुए. दिल्ली पुलिस का कहना है कि इनमें से कुछ सामग्री पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया नेटवर्क के जरिए फैलाई जा रही थी. दिल्ली पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान से संचालित 480 सोशल मीडिया हैडल की पहचान की गई है. पुलिस का कहना है कि ये अकाउंट सुनियोजित तरीके से अफवाहें और भ्रामक जानकारी फैलाने में लगे हुए थे. कार्रवाई करते हुए इन सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है. पुलिस का कहना है कि इन विदेशी सोशल मीडिया हैडल का मकसद लोगों, खासकर छात्रों और युवाओं को गुमराह करना था. पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन से जुड़े मामलों में फर्जी और अपुष्ट जानकारी फैलाकर भ्रम का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही थी. दिल्ली पुलिस ने छात्रों और युवाओं से विशेष रूप से सतर्क रहने की अपील की है. पुलिस ने कहा है कि किसी भी विदेशी सोशल मीडिया अकाउंट से मिलने वाली जानकारी पर आंख बंद करके भरोसा न करें. किसी भी दावे को साक्षा करने या उस पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूर करें. पुलिस ने लोगों से केवल सत्यापित और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है. साथ ही सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने और अफवाहों से दूर रहने की सलाह दी है.

दिल्ली पुलिस ने सत्यापित जानकारी पर भरोसा करने की अपील की

दिल्ली पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाएं लोगों को भ्रमित कर सकती हैं. ऐसे में जरूरी है कि किसी भी जानकारी को आगे बढ़ाने से पहले उसके स्रोत और तथ्य की पुष्टि कर ली जाए.

अहिल्यानगर में 2 घंटे चला ‘मौन आंदोलन’ फफक-फफककर रो पड़े बुजुर्ग समाजसेवी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे(Anna Hazare) ने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के समर्थन में गुरुवार को अहिल्यानगर में दो घंटे का ‘मौन आंदोलन’ किया। मौन आंदोलन के दौरान फफक-फफकर रोने लगे। गुरुवार को अन्ना ने अहिल्यानगर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सुबह 11 बजे अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया और दोपहर एक बजे इसे समाप्त किया। इसके बाद वह इसी जिले में स्थित अपने गांव रालेगण सिद्धि के लिए रवाना हो गए। दिल्ली में चल रहे छात्रों के प्रदर्शन को समर्थन देने के लिए वाडिया पार्क में गांधी मेमोरियल में मौन आंदोलन में वो शामिल हुए। अन्ना हजारे की तबीयत ठीक नहीं थी फिर वो इसमें शरीक हुए। वो यहां कुछ देर रुके और फिर चले गए। उनके जाने के बाद भी मौन आंदोलन जारी रहा।

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

इससे पहले बुधवार को अन्ना हजारे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र

महाराष्ट्र में बारिश से 94.98% भरा पवना डैम, अब पूरे साल नहीं होगी पानी किल्लत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पिंपरी-चिंचवड। लोगों की प्यास बुझाने वाले मावल के पवना डैम के 94.98 परसेंट भरने से साल भर चलने वाला पानी का संकट तो दूर हो गया है। 1 जुलाई से डैम इलाके में बारिश हो रही है। उसके बाद कुछ दिनों के लिए बारिश रुक गई थी। रविवार से फिर बारिश शुरू हो गई है। डैम में पानी का लेवल बढ़ने से पानी का स्टोरेज 94.98 परसेंट हो गया है। इससे शहरवासियों की पूरे साल पानी को लेकर चिंता दूर हो गई है। पिंपरी-चिंचवड़करों की प्यास बुझाने वाले मावल के पवना डैम के 94.98 परसेंट भरने से हालांकि

साल भर की पानी की चिंता दूर हो गई है, लेकिन पानी की सप्लाई रुक-रुक कर होती रहेगी। नगर निगम प्रशासन ने साफ किया है कि भामा-आसखेड़ वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट का काम पूरा होने तक रोजाना पानी की सप्लाई नहीं की जाएगी। इसलिए, नागरिकों को रोजाना पानी की सप्लाई के लिए इंतजार करना होगा।

वयों रोजना सप्लाई नहीं किया जाएगा पानी

मनपा प्रशासन ने साफ किया है कि भामा-आशाकेद वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट पूरा होने तक रोजाना पानी सप्लाई नहीं किया जाएगा। इसलिए, लोगों को रोज पानी सप्लाई का इंतजार करना होगा। पवाना डैम से पिंपरी-चिंचवड़ शहर, MIDC समेत कुछ मनपाओं और मावल तालुका के गांवों को पानी सप्लाई किया जाता है। मनपा पवना नदी पर रावेत में बने डैम से पानी लिफ्ट करती है। इस पानी को अथॉरिटी के निगडी में

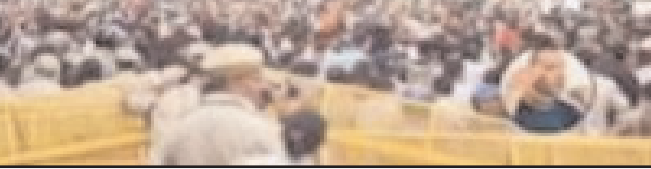
जंतर-मंतर पर हिंसा के जख्म बयां करते पुलिस अफसर बोले- भीड़ मारने के इरादे से आई थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जंतर मंतर और संसद मार्ग पर हुए बवाल के बाद घायल पुलिस अधिकारियों की आपबीती सामने आने लगी है। सिर पर पट्टी और शरीर पर चोटों के निशान लिए पुलिसकर्मियों का कहना है कि उस रात भीड़ सिर्फ प्रदर्शन नहीं कर रही थी, बल्कि वदींधारी पुलिसकर्मियों को निशाना बना मारने के इरादे से आई थी। उनका कहना है कि वदीं के पीछे छिपे इसान को किसी ने नहीं देखा। इंस्पेक्टर नंद किशोर सिंह ने बताया कि बुधवार रात करीब 8:15 बजे उनकी नाइट ड्यूटी थी। वह जंतर मंतर पहुंचने के लिए हनुमान मंदिर रोड पर कार खड़ी कर पैदल संसद मार्ग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि सामने छात्र है और वह आपसानी से निकल जाएंगे, लेकिन कुछ कदम आगे बढ़ते ही स्थिति बदल गई।

भीड़ ने पुलिस अफसर पर किया हमला

कई लोगों ने चेहरे काले कपड़े और मास्क से ढंके



हुए थे और उनके हाथों में लाठियां और लोहे की रॉड थीं। भीड़ ने उन पर हमला कर दिया और मारपीट के दौरान उनका पर्स और सोने की चेन भी छीन ली। मौके पर करीब 150 से 200 लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते सांथी पुलिसकर्मी नहीं पहुंचते, तो शायद मैं आज जिंदा नहीं होता। उनका कहना है कि वे भी किसी के पिता, भाई और बेटे हैं।

विरोध नहीं हमला कर रही थी भीड़: ACP

CJP प्रोटेस्ट के बीच दिल्ली पुलिस का बड़ा फैसला, अपने सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द की

कानून और व्यवस्था की मौजूदा स्थिति व सीजेपी प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सभी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द कर दी हैं.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और राजधानी में कानून व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने एक बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है. दिल्ली पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर सभी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की नियमित छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी हैं. यह आदेश कांग्रेसबल से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक सभी पर लागू होगा. दिल्ली पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए किसी भी पुलिसकर्मी को अब सामान्य अवकाश, अर्जित अवकाश या अन्य नियमित छुट्टी नहीं दी जाएगी. केवल वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों में ही छुट्टी मंजूर की जाएगी, जिसके लिए सक्षम अधिकारी की अनुमति अनिवार्य होगी.



आदेश में सभी जिला पुलिस उपायुक्तों (DCP) और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें. साथ ही यह भी कहा गया है कि सभी छुट्टियों की मंजूरी केवल सत्यापित आपातकालीन मामलों में ही दी जाएगी दिल्ली पुलिस ने एक और अहम

वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर पर प्रोसेस किया जाता है। वहां से इसे शहर में बांटा जाता है। इस साल भारी बारिश की वजह से डैम में पानी का स्टोरेज घटकर 16 परसेंट रह गया था। इसलिए, वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट ने 19 जून से 15 परसेंट पानी की कटौती की थी। तब से मनपा ने पानी के टाइम में एक से डेढ़ घंटे की कमी कर दी है। इस वजह से शहर के कई हिस्सों में पानी की सप्लाई में रुकावट आई है। पवाना डैम से पिंपरी-चिंचवड़ शहर, MIDC’ समेत कुछ नगर पालिकाओं और मावल तालुका के गांवों में पानी की सप्लाई होती है। नगर निगम पवना नदी पर रावेत में बैराज से पानी लिफ्ट करता है। इस पानी को अथॉरिटी के निगडी में वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर पर प्रोसेस किया जाता है। वहां से इसे शहर में बांटा जाता है। इस साल भारी बारिश के कारण डैम में पानी का स्टोरेज 16 परसेंट तक कम हो गया था। इसलिए, वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट ने 19 जून से 15 परसेंट पानी की कटौती लागू की थी। तब से नगर निगम ने पानी के टाइम में एक से डेढ़ घंटे की कमी कर दी है। इस वजह से शहर के कई हिस्सों में पानी की सप्लाई में रुकावट आई है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। अकोला सेंट्रल जेल में गुरुवार को एक विचाराधीन बंदी की मौत ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पत्नी की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में बंद 40 वर्षीय अनिल ऑंकार निंबोकार ने कथित तौर पर जेल परिसर के कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और मानसिक तनाव से गुजर रहे बंदियों की निगरानी को लेकर बहस तेज हो गई है.
मृतक की पहचान अकोला के गजानन नगर, यावलखेड निवासी अनिल ऑंकार निंबोकार के रूप में हुई है. प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का माना जा रहा है. हालांकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. घटना ने इस सवाल को भी जन्म दिया है कि यदि किसी बंदी के आत्मघाती प्रवृत्ति की जानकारी पहले से थी, तो उसकी निगरानी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए
जानकारी के अनुसार, अनिल निंबोकार अपनी पत्नी की हत्या के मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दर्ज केस में गिरफ्तार हुआ था. अदालत ने 11 अप्रैल 2026 को उसे न्यायिक हिरासत में अकोला सेंट्रल जेल भेजा था.. गुरुवार को वह अन्य बंदियों के साथ जेल परिसर स्थित खेत में काम कर रहा था. इसी दौरान उसने ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारी से कहा कि वह कुएं से पानी लेकर आता है. जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो जेल कर्मचारियों ने उसकी तलाश शुरू की. खोजबीन के दौरान उसका शव जेल परिसर के कुएं में मिला. इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया.

हिम्मत है तो छात्रों के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति के बजाय संसद में करें चर्चा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को खुली चुनौती दी है कि अगर उनमें हिम्मत है, अगर वे सच में छात्रों की भलाई चाहते हैं, तो छात्रों के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति करने के बजाय संसद में उन्हें चर्चा करना चाहिए।
मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा का सबसे महत्वपूर्ण स्थान संसद है। राहुल गांधी चर्चा से इसलिए भागते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि उनकी पोल खुल जाएगी। फडणवीस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्ष छात्रों के भविष्य की चिंता करने के बजाय केवल राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलन कर रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छात्र आंदोलन और उससे जुड़ी राजनीति को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और आंदोलन का समर्थन करने वाले कुछ सैलिब्रिटीज पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन की आड़ में विपक्ष अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहा है। फडणवीस ने राहुल गांधी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें दम है तो इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करें, छात्रों के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति करना ठीक नहीं है। फडणवीस ने अतीत की याद दिलाते हुए कहा कि यूपीए सरकार के दौरान कितनी बार पेपर लीक हुए थे, यह बात किसी से छिपी नहीं है। राहुल गांधी सिर्फ छात्रों के बहाने देश में हंगामा और माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को जाएगी। सीएम फडणवीस ने यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि कुछ नेता छात्रों का बहाना बनाकर अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन्होंने अब तक छात्रों के लिए कोई ठोस काम नहीं किया, वे आज उनके हितैषी बनने का प्रयास कर रहे हैं। छात्र आंदोलन का समर्थन करने वाले कुछ फिल्मी हस्तियों पर भी मुख्यमंत्री ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई बड़े और जिम्मेदार सैलिब्रिटीज को पूरे मामले की सच्चाई पता है, लेकिन कुछ लोग सिर्फ सोशल मीडिया पर लोकप्रियता बढ़ाने और रील्स बनाने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। ऐसे लोगों को कानूनी तरीके से जवाब दिया जाएगा।

क्या इतिहास स्वयं को दोहरा रहा है?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। चातुर्मास प्रवेश समारोह के दौरान आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी महाराज ने एक ऐसा प्रसंग स्मरण कराया जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को केवल अतीत ही नहीं, भविष्य के बारे में भी सोचने को विवश कर दिया। उन्होंने आचार्य विजयवल्लभसूरीश्वरजी महाराज को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि आज गोडवाड़ में जो विकास, जागृति और सामाजिक चेतना दिखाई दे रही है, उसके पीछे उन महापुरुषों का त्याग और दूरदर्शिता है, जिन्होंने अपने समय में भारी विरोध सहते हुए भी समाज को नई दिशा देने का साहस किया। उन्होंने संकेत दिया कि एक समय ऐसा भी था जब शिक्षा संस्थान खोलने, आधुनिक शिक्षा को प्रोत्साहन देने, समाज को राष्ट्रीय जीवन से जोड़ने, मतदान के प्रति जागरूक करने, अस्पतालों और समाजोपयोगी भवनों के निर्माण की प्रेरणा देने जैसे विषयों पर भी कुछ लोगों ने तीव्र विरोध किया था। लेकिन समय ने सिद्ध कर दिया कि वही कदम समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गए। उनके वक्तव्य के बाद अनेक प्रश्न स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। यदि उस समय समाज केवल विरोध करता रहता और दूरदर्शी संतों की बात नहीं मानता, तो क्या आज इतने विद्यालय, महाविद्यालय, छात्रावास और अस्पताल समाज के पास होते? यदि शिक्षा को उस समय 'धर्म से भटकाव' मानकर रोक दिया जाता, तो क्या आज समाज डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, न्यायाधीश, प्रशासक और उद्योगपति देने की स्थिति में होता? यदि मतदान और राष्ट्रीय दायित्वों से समाज को दूर रखा जाता, तो क्या आज उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी इतनी मजबूत होती? यदि समाजोपयोगी भवन और अस्पताल बनाने का विचार अस्वीकार कर दिया जाता, तो क्या आज हजारों परिवारों को उनका लाभ मिल पाता? इतिहास बताता है कि प्रत्येक युग में कुछ विचार पहले विरोध झेलते हैं, फिर स्वीकार किए जाते हैं और अंततः वही समाज की पहचान बन जाते हैं। क्या अब समय नहीं आ गया है कि चातुर्मास केवल धार्मिक प्रवचनों तक सीमित न रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति, कौशल विकास, पुस्तकालय, अनुसंधान और समाज निर्माण की ठोस योजनाओं का भी केंद्र बने? क्या भविष्य की पीढ़ियाँ हमें भी उसी दृष्टि से याद करेंगी, जिस दृष्टि से आज हम आचार्य विजयवल्लभसूरीश्वरजी को उनकी दूरदर्शिता के लिए स्मरण करते हैं?

क्या आज के निर्णय अगले पचास वर्षों का समाज गढ़ेंगे?

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी का संदेश केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक चेतावनी और प्रेरणा भी है। इतिहास गवाह है कि दूरदर्शी विचार प्रारंभ में विरोध का सामना अवश्य करते हैं, लेकिन यदि उनमें समाजहित निहित हो तो समय स्वयं उनके पक्ष में साक्षी बन जाता है।शायद यही अवसर है कि चातुर्मास को केवल आध्यात्मिक साधना का पर्व ही नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज निर्माण की नई क्रांति का माध्यम भी बनाया जाए।

— भरतकुमार सोलंकी

अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध तुमड़ीबोड़ पुलिस की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध शराब एवं नशे के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। आज दिनांक 24 जुलाई 2026 को पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ मुखबि्र से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम नाथुनवागांव मोड़ कैलाश ढाबा के पास एक व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने गवाहों की उपस्थिति में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंच कर दबोश दी, मौके पर एक व्यक्ति सफेद रंग का प्लास्टिक बोरी लिये संदिग्ध अवस्था में मिला जिससे पृच्छाछ करने पर अपना नाम राजतिलक यादव पिता सितेंद्र यादव उम्र 19 वर्ष साकिन ग्राम पेण्डी वार्ड नं0-20 थाना लालबाग जिला राजनांदगांव (छ.प.) बताया। उक्त व्यक्ति के हाथ में सरे बोरी की तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 08 पौवा देशी प्लेन शराब कुल मात्रा 1.440 लीटर एवं शराब बिक्री का नगदी रकम ₹1,000 कुल किमती ₹1,640 रुपये मिला जिसमें विधिवत जब्त की गई। आरोपी द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री करना पाए जाने पर एवं वैध दस्तावेज पेश नहीं करने पर उसके विरुद्ध आवकारी एवट की धारा 34(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

प्रदर्शन में पैलेट गन दागी, युवक का कान कटकर नीचे गिरा

मेडिकल रिपोर्टों में दर्ज हुए चोटों के निशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों को मेडिकल रिपोर्टों में ऐसे लथ्थ सामने आए हैं, जिनसे पैलेट गन और रबर बुलेट के इस्तेमाल की आशंका मजबूत हुई है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

घायलों की मेडिकी-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टों में कई गंभीर चोटों का उल्लेख किया गया है। राम मनीहर लोहिया अस्पताल से जारी एक महिला प्रदर्शनकारी टोपो की रिपोर्ट में संदिग्ध गोली लगने से चोट दर्ज है। टोपो का दावा है कि उन्हें रबर बुलेट लगी थी, जिससे उनके दाहिने कान का एक हिस्सा कटकर जमीन पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय पुलिस आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी और फायरिंग भी की जा रही थी। इसी दौरान उनके कान पर रबर बुलेट लगी और कान का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सफरदरजंग



अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय एक पत्रकार की मेडिकल रिपोर्ट में कमर और हाथों पर पैलेट इजरी के निशान दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि जंतर-मंतर पर पैलेट गन से हमला हुआ था। घायल पत्रकार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि उनके शरीर में कई छेँ धंसे हुए हैं, जिन्हें अधिक संख्या में होने के कारण सर्जरी के जरिए निकालना आसान नहीं है।

प्रदर्शन में घायल 19 वर्षीय साहिल का इलाज एम्स में चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उनकी दाहिनी आंख में पैलेट घुस गया, जिससे आंख में गंभीर चोट आई है और एक और सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अलावा उनके चेहरे, गर्दन, छाती और पेट में भी कई छेँ फंसे हुए हैं। वहीं लेडी हॉर्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक अन्य घायल मंजूरी ने

बताया कि उनके चेहरे और गर्दन से छेँ निकालने के लिए दो सर्जरी करनी पड़ीं। उनका कहना है कि आंसू गैस का गोला फटने के बाद उन्हें चेहरे पर तेज जलन महसूस हुई और बाद में गंभीर चोटों का पता चला।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन या रबर बुलेट के इस्तेमाल से स्पष्ट इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएफ) के पास दंगा नियंत्रण के उपकरण होते हैं, लेकिन उनके इस्तेमाल को लेकर वे कोई पुष्टि नहीं कर सकते। वहीं सीआरपीएफ ने इस पूरे मामले पर आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार आरएफ के पास पैलेट गन जैसे दंगा-रोधी उपकरण उपलब्ध होते हैं और भीड़ नियंत्रण के दौरान उनका उपयोग किया जा सकता है। मेडिकल रिपोर्टों के सामने आने के बाद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। अब इस मामले में क्वतंत्र जांच और संबंधित एजेंसियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

पीएम मोदी के वीडियो पर बोले खड़गे- पहले धर्मद्र प्रधान को बर्खास्त कर संसद आइए



नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लोक मापले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देर रात जारी किए गए वीडियो संदेश के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए, न कि संसद के बाहर वीडियो संदेश जारी करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि संसद में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को उनके पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है और छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अब तक कोई ठोस राजनीतिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांगों को

देखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पहले छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। खड़गे ने कहा कि इन कदमों के बाद ही शिक्षा व्यवस्था और पेपर लोक जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा संभव होगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा था, कि पेपर लोक रोकने के लिए सरकार सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन और दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा दिलाने संबंधी मसौदा तैयार कर उन्हें सौंप दिया है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी और मंत्रियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

अब जगन्नाथ धाम और महाप्रसाद का व्यावसायिक उपयोग करना होगा अवैध

पुरी जगन्नाथ मंदिर प्रशासन को मिले 5 नए ट्रेडमार्क

पुरी(एजेंसी)। हिंदुओं के पवित्र चार धामों में से एक, ओडिशा स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने 12वीं सदी के इस ऐतिहासिक मंदिर की पहचान और अनूठी परंपराओं की सुरक्षा के लिए एक बड़ी कानूनी उपलब्धि हासिल की है। ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने जांच के दूसरे चरण के बाद मंदिर प्रशासन के पांच नए ट्रेडमार्क आवेदनों को स्वीकार कर लिया है। इन नए स्वीकृत शब्दों में जगन्नाथ धाम, श्रीक्षेत्र, महाप्रसाद, नीलचक्र और कोइली बैकूट शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही ट्रेड मार्क्स जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। मंदिर कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह कदम महाप्रभु श्री जगन्नाथ की पवित्र संस्कृति से जुड़े धार्मिक चिह्नों और पहचान के अनधिकृत तथा व्यावसायिक दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है।

हाल के वर्षों में कई व्यक्तियों और निजी संस्थाओं द्वारा इन पवित्र नामों का व्यावसायिक इस्तेमाल करने के मामले सामने आ रहे थे। विशेष



रूप से पश्चिम बंगाल के दीघा में बने एक नए मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द के इस्तेमाल के बाद यह विवाद काफी गहरा गया था, जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने ट्रेडमार्क संरक्षण की प्रक्रिया को और तेज कर दिया। मान्यता के अनुसार, जगन्नाथ धाम पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ के मुख्य निवास स्थान को कहा जाता है, जिसे श्रीक्षेत्र या धरती का बैकूट भी माना गया है। वहीं, मंदिर की रस्तों में तैयार होने वाले

विशेष भोग को महाप्रसाद कहा जाता है। नीलचक्र मंदिर के शिखर पर स्थापित अष्टधातु का सुदर्शन चक्र है और कोइली बैकूट मंदिर परिसर का वह पवित्र उद्यान है, जहां नव कलेवर के दौरान पुराने का विशेष का समाधि-विसर्जन किया जाता है। अब इन सभी नामों का बिना अनुमति व्यावसायिक प्रयोग दंडनीय अपराध होगा।

मंदिर प्रशासन ने जगन्नाथ संस्कृति से जुड़े कुल 29 पहचानों और शब्दों के ट्रेडमार्क संरक्षण के लिए आवेदन किया था। इससे पहले पिछले महीने भी एसजेटीए को आनंद बाजार, पतितपावन और नीलचक्र के आधिकारिक लोगों के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण मिल चुका है। ट्रेड मार्क्स अधिनियम के तहत किए गए ये पंजीकरण पुरी मंदिर की समृद्ध विरासत, प्रामाणिकता और धार्मिक भावनाओं को सुरक्षित रखने में दूरगामी भूमिका निभाएंगे।

प्रोटेस्ट के बीच सरकार के संकटमोचक कैसे बन गए नड्डा?

-वांगचुक का अनशन तुड़वाने में निगाई अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लोक विवाद और विभिन्न संगठनों के बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के चलते केंद्र सरकार पर चोटफरा राजनीतिक दबाव बना हुआ है। सड़क से लेकर संसद तक जारी इस संग्राम के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा सरकार के प्रमुख संकटमोचक बनकर उभरे हैं। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने से लेकर घायल छात्रों से

मुलाकात और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से दो दौर की बातचीत तक, हर मोड़ पर उन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

आंदोलन की शुरुआत से ही जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से संवाद के रास्ते खोले रखे। 20 जुलाई को जब प्रदर्शन उग्र हुआ और प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्च का ऐलान किया, तब उन्होंने तुरंत बैक-चैलर संवाद सक्रिय कर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उचित मंच पर उठाया जाएगा। हिंसा के

दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों से मुलाकात कर उन्होंने उन्हें हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का परोसा दिया और संसद में भी स्पष्ट किया कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। गतिरोध को सुलझाने की दिशा में बड़ मोड़ तब आया जब जेपी नड्डा आधी रात को मेदांता अस्पताल पहुंचे और 26 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात की। इस पहल के बाद वांगचुक ने सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखीं। सरकार ने इन मांगों का रिलसिलेवार अध्ययन का एक रूपरेखा तैयार की, जिसके बाद प्रधानमंत्री के बयान और जेपी

नड्डा की सीधी मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। सोनम वांगचुक का अनशन तुड़वाकर जेपी नड्डा ने इस संकट को हल करने की दिशा में पहली बड़ी सफलता हासिल कर ली है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर प्रदर्शनकारियों को क्या आश्वासन मिला है, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। अब उनकी अगली बड़ी चुनौती जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को पूरी तरह से समाप्त कराने की होगी।



बुलावा नहीं आया, तो सोशल मीडिया पर छलका दर्द-ए-दिल, भाजपा में सब कुछ ठीक है?

मुंबई (एजेंसी)। गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पूर्वचल के पहले सिकसलेन पलाईओवर के लोकार्पण समारोह से एक राजनीतिक संदेश भी निकलकर सामने आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. राधा मोहन



दास अग्रवाल का दर्द सोशल मीडिया पर सुर्खियां बन गया। उन्होंने लिखा कि घर के सामने पलाईओवर का उद्घाटन हुआ, जाने की इच्छा भी थी, लेकिन निमंत्रण नहीं मिला।

राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा में अब निमंत्रण भी राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बन गया है? चार बार गोरखपुर शहर से विधायक रह चुके और वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री जैसे अहम पद पर बैठे नेता को यदि मंच तक बुलावा नहीं मिले, तो इसे महज प्रशासनिक चूक मानना आसान नहीं होगा।

डॉ. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए जनता को बधाई भी दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को टैग कर अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर दी। अब राजनीतिक विश्लेषक इसे पलाईओवर से ज्यादा ऊंची होती रियासी दूरियां बताकर चर्चा कर रहे हैं। आखिर बुलावे की राजनीति में किसका कद बढ़ा और किसका घटा, यह सवाल फिलहाल गोरखपुर की सियासत में सबसे ज्यादा गूंज रहा है।

राहुल ने पीएम मोदी पर कसा तंज बोले- पहले शिक्षा मंत्री को हटाइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लोक विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आधी रात को वीडियो जारी कर प्रदर्शनकारी छात्रों की समझदारी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पद से हटया जाए, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को सजा दी जाए और सरकार इस पूरे मामले पर देश के छात्रों से माफी मांगे।



राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कैबिनेट की बैठक में पेपर लोक के खिलाफ और अधिक सख्त कदम उठाने पर

चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की

जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े हुए हैं।

दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अर्पिजीत दिपके ने लद्दाख के

26 जुलाई को पूरे देश में सपा मनाएगी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस

-अखिलेश बोले- जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, संविधान ही है ढाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 26 जुलाई को पूरे यूपी और देशभर में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इसी दिनांक कोल्हापुर के तत्कालीन शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से प्रेरित होकर आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। उनके मुताबिक यह सामाजिक न्याय को व्यवहार में लाने की एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसने आगे चलकर संविधान में समानता और

सामाजिक न्याय के प्रावधानों की मजबूत नींव रखी।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि आरक्षण दिवस 26 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का फैसला लिया है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय



श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखाया था।

आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखाया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी 26 जुलाई को पूरे उत्तर

आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सूरूप्रायों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का

मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष 26 जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है, क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम

प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीढ़ी-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे 'बंधु राष्ट्र' बनाने के महा-संकल्प को भी।

भारत ने पीएम रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन का भेजा न्योता

-बांग्लादेश से संबंधों को पटरी पर लाने की पहल



नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत और पड़ोसी मुल्क के बीच उपजे कूटनीतिक तनाव के बीच भारत ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भारत ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण भेजा है। बांग्लादेश के ब्रिक्स का सदस्य देश न होने के बावजूद ढका को आमंत्रित करना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को पुनः पटरी पर लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने पुष्टि की है कि भारतीय पक्ष से प्राप्त निमंत्रण विदेश मंत्रालय को मिल चुका है, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी तारिक रहमान को भारत यात्रा का न्योता दिया था। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने के कारण बांग्लादेश की घरेलू

राजनीति में किसी प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से रहमान अब तक भारत यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। पद संभालने के बाद वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर परंपरा से हटकर भारत के बजाय चीन गए थे। बांग्लादेश लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा रखता है और इस दिशा में उसे चीन व रूस का समर्थन भी प्राप्त है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाला यह शिखर सम्मेलन ढका के लिए कूटनीतिक दृष्टिकोण से बेहद खास माना जा रहा है। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी शामिल होने की संभावना है। इससे पहले 2016 में भी जब भारत ने ब्रिक्स की

मेजबानी की थी, तब बांग्लादेश को बिम्स्टेक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। हाल ही में मनीला में आसियान फोरम के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के बीच भी संक्षिप्त मुलाकात हुई थी। भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता ब्रिल्लिंग फॉर रेंजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर केंद्रित है। इस बड़े मंच पर बांग्लादेश की भागीदारी से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक संबंधों को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

सोना करीब 600 टूटा, चांदी 1,300 रुपए लुहकी

नई दिल्ली ।



कच्चे तेल की कीमतों में आए तेज उछाल का असर अब सोने-चांदी के बाजारों पर दिख रहा है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) द्वारा मौद्रिक नीति को और सख्त किए जाने की बढ़ती आशंकाओं के चलते शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व के कड़े रख अपनाने की संभावनाओं ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने-चांदी से दूर कर दिया है। ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोना हल्की बढ़त के साथ खुला जरूर, लेकिन बाद में यह लुढ़क गया और खबर लिखे जाने तक 19.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,031.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 0.52 डॉलर की कमजोरी के साथ 57.53 डॉलर प्रति औंस पर थी। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट देखी गई। सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 591 रुपए की गिरावट के साथ 2,18,063 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया। यह गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण वैश्विक महंगाई और ब्याज दरों में वृद्धि की चिंताओं को दर्शाती है।

नेस्ले का भारत पर भरोसा कायम, दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली ।

स्विट्जरलैंड की खाद्य एवं पेय क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नेस्ले एसए के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा है कि भारत कंपनी के लिए विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन बना रहेगा। कर ढांचे में बदलाव से मिलने वाला लाभ तीसरी तिमाही से कम होने लगेगा, इसके बावजूद भारतीय बाजार में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। नेस्ले की आय संबंधी जानकारी साझा करते हुए नावराटिल ने भारत के बेहद मजबूत प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय उत्पादों की बेहतर उपलब्धता, मजबूत वितरण नेटवर्क और प्रभावी ब्रांड समर्थन को दिया। सीईओ ने स्वीकार किया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलावों से मिला अतिरिक्त लाभ तीसरी तिमाही से समाप्त हो जाएगा। इसके बावजूद, नावराटिल ने भारत से अभी भी दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद जताई। नेस्ले की आय रिपोर्ट के अनुसार, भारत जिस एशिया, ओशनिया एवं अफ्रीका (एओए) क्षेत्र का हिस्सा है, उसने 2026 की दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत की जैविक वृद्धि दर्ज की। इस क्षेत्र में सभी प्रमुख श्रेणियों में व्यापक वृद्धि देखी गई।

कैलिबर माइनिंग का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले लगभग 19 प्रतिशत बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 18.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 19.75 प्रतिशत चढ़कर 507.75 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 17.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 500.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 3,178.90 करोड़ रुपये रहा।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 146.64 गुना अभिदान मिला था।आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 50 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण था। इसके लिए 402-424 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।वर्ष 2014 में गठित कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स एकीकृत खनन सेवा प्रदाता कंपनी है। इसकी अपनी कोई खदान नहीं है लेकिन यह अपने ग्राहकों को खनन और लॉजिस्टिक्स सेवाएं देती है।

एप्पल आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो के बड़ सकते हैं दाम

मुंबई ।

अब एप्पल के लोकप्रिय आईफोन खरीदने के लिए ग्राहकों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ सकती है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, टेक दिग्गज एप्पल अपने आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो सीरीज के स्मार्टफोन की कीमतों में जल्द ही इजाफा कर सकती है। यह कदम तब उठाया जा रहा है जब सैमसंग सहित कई

अन्य चाइनीज ब्रांड पहले ही अपने स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ा चुके हैं, और एप्पल खुद भी अपने आईपैड और मैकबुक की कीमतों में वृद्धि कर चुका है।

एक रिपोर्ट दावा किया गया है कि एप्पल अपने आईफोन की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत तक का इजाफा कर सकता है। रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि इस बढ़ोतरी के बाद, बीते साल

कच्चे तेल में उछाल से भारतीय शेयर बाजार फिसला

सेक्स 700 अंक टूटा, निफ्टी 23,700 के नीचे फ़िसला



मुंबई ।

शुक्रवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए तेज

सोना कॉमस्टार की अगले 10 साल में 10 गुना कारोबार बढ़ाने की तैयारी

कंपनी ने पिछली तिमाही में 54 फीसदी राजस्व वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली ।



ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी दिग्गज सोना कॉमस्टार ने अपनी अगली पीढ़ी की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी रणनीति, सोना कॉमस्टार 2.0 का अनावरण किया है। कंपनी ने रोबोटिक्स, फिजिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई मोबिलिटी टेक्नोलॉजी पर बड़ा दांव लगाते हुए संकेत दिया है कि वह अगले दशक में अपनी आय में 10 गुना वृद्धि दोहराना चाहती है। जैविक विस्तार और अधिग्रहण के माध्यम से नए उत्पाद वर्टिकल का तेजी से विकास, पूर्वी बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करना, और विद्युतीकरण के साथ-साथ इंटेलिजेंट व कनेक्टेड सिस्टम को एक दीर्घकालिक तकनीकी स्तंभ के रूप में विकसित करना। इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक नए रोबोटिक्स और फिजिकल एआई वर्टिकल की शुरुआत है। कंपनी ने पिछले दशक में अपनी आय में दस गुना वृद्धि हासिल की थी।वित्त वर्ष 2025 में 3,555 करोड़ रुपये की आय के साथ, कंपनी का अनुमान है कि वह अगले दशक में 35,000 करोड़ रुपये तक का कारोबार कर सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए मजबूत समेकित नतीजे घोषित किए, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़कर 1,310 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 181 करोड़ रुपये रहा। बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल से होने वाला राजस्व 107 प्रतिशत बढ़कर दोगुना हो गया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 331, निफ्टी 102 अंक गिरा



मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। साप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने

से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में आये उछाल और अमेरिका के

भारत से खरीदे जाने वाले सामान पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 331.62 अंक नीचे आकर 76,059.77 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 102.15 अंक गिरकर 23,767.45 अंक पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो पूरे सप्ताह ही बाजार में गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और सन फार्मा के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, एचसीएल टेक, आईटीसी, एक्सिस बैंक, टैट, मारुति, रिलायंस, टीसीएस और

उछल के चलते भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। वैश्विक स्तर पर तेल के दाम दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई और बाजार में जोरदार बिकवाली देखी गई। सुबह शुरुआत में प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 207 अंक टूटकर 23,662.70 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स में 718.41 अंक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जो 75,672.98 के स्तर पर पहुंच गया। प्रमुख शेयरों और व्यापक बाजार का हाल निफ्टी 50 इंडेक्स में एंर्नल, श्रीराम फाइनेंस और

बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। व्यापक बाजार पर भी मंदी का असर साफ दिखा; निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 0.63 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। इस कारण सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर बंद हुआ।

कच्चा तेल मई के बाद पहली बार 100 डॉलर के पार

पश्चिम एशिया की आग, तेल में उबाल, दुनिया पर महंगाई का संकट गहराया



नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता ने वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसका सीधा असर क'चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है, जो दुनिया भर में महंगाई और आर्थिक मंदी के नए जोखिम खड़े कर रहा है। शुक्रवार सुबह के कारोबार में बेंट क्रूड का सितंबर वायदा भाव

100.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 91.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। क'चे तेल की कीमतों में इस जबरदस्त उछाल की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में गहराता सैन्य तनाव है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके जवाब में यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तेल टैंकरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। यह वही महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है

त्योहारी सीजन में मर्सिडीज-बेंज की रिकॉर्ड बिक्री उम्मीद

लगभग 2,000 ऑर्डर लंबित, ईवी की बिक्री में 14 फ़ीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

लगजरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज त्योहारी सीजन में धमाकेदार बिक्री की उम्मीद कर रही है, जिससे वह अपने सर्वश्रेष्ठ वर्ष की ओर बढ़ रही है। मजबूत ऑर्डर बुक और लगातार मांग के दम पर, कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में मर्सिडीज-बेंज के पास ग्राहकों के 2,000 ऑर्डर लंबित हैं। हाल ही में लॉन्च हुई सीएलए इस साल के अंत तक बुक हो चुकी है, जबकि ईक्यूपस एसयूवी के लिए तीन-चार महीने का इंतजार है। कंपनी के एक अ धिकारी बताया कि कंपनी किसी एक इंजन तकनीक पर केंद्रित नहीं है; ग्राहकों को पेट्रोल, डीजल, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी) जैसे सभी विकल्प उपलब्ध हैं। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है। पीएचईवी उन ग्राहकों के लिए अतिरिक्त विकल्प है जो इलेक्ट्रिक अनुभव चाहते हैं पर चार्जिंग की सीमाएं हैं। यह तकनीक पसंद पर आधारित रहेगी, पूरे पोर्टफोलियो में नहीं। पुर्जों का स्थानीयकरण मात्रा पर निर्भर करेगा।

कच्चा तेल मई के बाद पहली बार 100 डॉलर के पार

जिसका उपयोग सऊदी अरब सहित कई प्रमुख तेल उत्पादक देश निर्यात के लिए करते हैं। कुछ समय पहले अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविरोध की उम्मीदों ने तेल की कीमतों को नीचे लाया था, लेकिन अब बातचीत की संभावना कमजोर पड़ गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी साफ कर दिया है कि ईरान का नेतृत्व फिलहाल किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है। यदि क'चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे बने रहेंगे।

ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने लगातार चार बैठकों में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉश ने भी महंगाई पर कड़ी निगरानी रखने का संकेत दिया है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश क'चा तेल आयात करता है। बेंट क्रूड का 100 डॉलर के आसपास या उससे ऊपर का नेतृत्व फिलहाल किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है।

यदि क'चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे बने रहेंगे।

भारत का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल श्रीलंका का दौरा करेगा

व्यापार और निवेश साझेदारी को मिलेगी गति

कोलंबो

। भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) का 30 सदस्यीय उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल व्यापार, निवेश और कारोबारी साझेदारी की नई संभावनाओं की तलाश में श्रीलंका का दौरा करेगा। श्रीलंका के समकक्ष संगठन, सीलोन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रतिभागियों के लिए 28 जुलाई को एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने का मंच मिलेगा। यह प्रतिनिधिमंडल विनिर्माण, निर्माण, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, अक्षय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात-आयात जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े सदस्यों को सम्मिलित करता है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत श्रीलंका के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों और निवेश स्रोतों में से एक है, और इसका उद्देश्य सीमा-पार कारोबारी संबंधों को मजबूती प्रदान करना है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत परंपरागत रूप से श्रीलंका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।

ओरिएंट सीमेंट का पहली तिमाही का मुनाफा 62.4 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 62.4 प्रतिशत घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 205 करोड़ रुपये था। अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट्स जैी अनुषंगी कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 30.25 प्रतिशत घटकर 604 करोड़ रुपये रह गई जो एक

साल पहले की समान अवधि में 866 करोड़ रुपये थी। ओरिएंट सीमेंट का कुल खर्च भी 30.11 प्रतिशत घटकर 506 करोड़ रुपये रह गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 724 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी एक अलग सूचना में बताया कि उसने वेना एनर्जी केएन बिंड पावर प्राइवेट लिमिटेड में 9.04 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। इस 12,34,350 रुपये के सौदे में शेयर और संचयी परिवर्तनीय तरजीही शेयर शामिल हैं।कंपनी ने बताया कि प्रस्तावित अधिग्रहण 31 अप्रैल, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

अब रसोई में भी इथेनॉल, एलपीजी पर निर्भरता घटाने की तैयारी

स्वच्छ ईंधन से ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण (ई20) की सफलता के बाद केंद्र सरकार अब घरेलू रसोई के लिए इथेनॉल-आधारित कुकिंग फ्यूल का विकल्प लाने पर विचार कर रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस नीति पर काम कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य एलपीजी आयात पर निर्भरता कम करना और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करना है। सरकार मानती है कि इथेनॉल एक स्वच्छ जैव ईंधन है, जो कार्बन उत्सर्जन घटाएगा। इसकी बढ़ती मांग से गन्ना व अन्य फसलों से जुड़े किसानों को लाभ मिलेगा और घरेलू ईंधन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, यह योजना अभी शुरुआती चरण में है। मंत्रालय को इथेनॉल स्टोव, आपूर्ति णणाली, सुरक्षा मानक और आम उपभोक्ता तक पहुंच जैसे कई पहलुओं पर काम करना बाकी है। सुरक्षित व सुविधाजनक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नीति लागू करने से पहले गहन तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में ई20 से अधिक इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने पर अभी कोई नया फैसला नहीं लिया गया है।



चाइना ओपनमेंसिंधुको करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाई

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी- पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

●**दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत-** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रही। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

●**निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकी-** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी।पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं।हालाकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी।पीवी सिंधु के स्मेश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रही चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

●**सुधार की जरूरत भी आई सामने-** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

अनकैड स्पिनर को किया शामिल

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम की घोषणा की

त्रिनिदाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशन को जगह दी है। बिशप ने पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में बारबाडोस प्राइड और वेस्टइंडीज एकेडमी के लिए कुल 91 विकेट लिए हैं, जो उस दौरान किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैपबेल के चोटिल होने के कारण किर्क मैकेंजी की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। कैपबेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गए। मैकेंजी ने हालिया वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में छह पारियों में 64.60 की औसत से 323 रन बनाए थे। इस बीच, अल्जारी जोसेफ निजी कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सीरीज का पहला मैच 25 से 29 जुलाई के बीच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर होने वाला पहला टेस्ट मैच



होगा, जिससे यह इस इलाके का 13वां ऐसा मैदान बन जाएगा जहां टेस्ट क्रिकेट खेला जाएगा। दूसरा मैच 2 से 6 अगस्त के बीच ऐतिहासिक क्वींस पाक ओवल में होगा। वेस्टइंडीज अभी तालिका में आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान सबसे आखिरी स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम : रोस्टन चेंस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, टैगनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जांगू, शामार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किंक मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच और जेडन सील्स।

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उदरंगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए ‘करो या मरो’ वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19



गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेंनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द मैच’ का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और

शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे जिम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ है: या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेंनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आप तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्टोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

राष्ट्रमंडल खेल में किया कमाल

भारतीय तैराक नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे



ग्लासगो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हॉवें के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने

पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

जूडोका तुलिका माननिलंबित

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने टिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लासगो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं। एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉजेन, एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेंस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अकांड़ी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं।युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं।उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अकांड़ी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर-कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा।



द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छ से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संपालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी

फिडे कार्डसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को बढ़ावा देने और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वैभव सबसे युवा अर्धशतकवीर

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी।15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बल्लत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेंनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन-फील्ड अपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।

19 गेंदों में वैभव ने मचाया तूफान

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तैवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन टोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेंनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन-फील्ड अपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।



खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी।

‘मंटो’ ऐसे समय में मिली जब सबसे ज्यादा जरूरत थी
बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी। रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत नहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गई। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे। 'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला। दोनों ने अपने-अपने तरीके से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। 'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी।



लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर शहनाज गिल ने बताया अपना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इसे लेकर मन में एक डर आता है।

जब शहनाज से पूछा गया कि क्या दूर रहने से प्यार बढ़ता है या कम हो जाता है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब दो लोग एक-दूसरे से दूर होते हैं, तो प्यार और पार्टनर की अहमियत बढ़ जाती है। लेकिन इसके साथ ही एक डर भी मन में आता है कि सामने वाला इंसान पीठ पीछे क्या कर रहा होगा। इसलिए दूरी से शक भी बढ़ जाता है।' शहनाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर प्यार सच्चा हो और पार्टनर पास हो, तो रिश्ते में किसी दूरी की जरूरत नहीं होती।'

आज के दौर में प्यार

जब शहनाज से पूछा गया कि आज के डेटिंग ऐप्स के जमाने में क्या ऐसा सच्चा प्यार मुमकिन है? तो उन्होंने कहा कि प्यार किसी भी तरह का हो, चाहे पुराने जमाने का या आज के दौर का बस दिल में सच्चा प्यार होना चाहिए। फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। यह फिल्म निम्मा और नसीमा नाम के

दो प्रेमियों की असल जिंदगी की कहानी है। इसकी कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के आस-पास की है, जो प्यार, उनके त्याग और मजबूरी में अलग होने के दर्द को दिखाती है। किस किताब पर आधारित है 'इश्कनामा' फिल्म 'इश्कनामा', 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' नाम की किताब पर बनी बताई जा रही है। इस फिल्म में शहनाज गिल के साथ जय रंधावा और सौरभ सचदेवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर अरविंद एस. खेरा हैं। फिल्म का म्यूजिक बी प्राक ने दिया है और गाने जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूके समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



‘आर्टिकल 370’ के लिए नेशनल अवॉर्ड में जिंदगी भर याद रखूंगी

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री ने



पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा

सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूँ।'

यामी ने बताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मजिल बहुत दूर लगती थी।'

रियलिटी शो में आता है कलाकारों का असली चेहरा, किरदार से अलग होती है पहचान

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है।

उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।' अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, 'दर्शक

मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।' ईशा सिंह ने कहा, 'यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व और अलग दर्शक वर्ग होता है। रियलिटी शो में कलाकार का निजी पक्ष सामने आता है, जबकि अभिनय में कलाकार किसी कहानी और किरदार को जीता है। रियलिटी शो की अपनी अलग ऑडियंस होती है। आज कई तरह के रियलिटी शो बनाए जा रहे हैं। लेकिन एक्टिंग पूरी तरह अलग चीज है। यह बिल्कुल अलग तरह का क्षेत्र है।'

‘आर्टिकल 370’ को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हैं आदित्य धर



बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम का एलान हुआ। यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसके अलावा फिल्म ने दो और पुरस्कार जीते हैं। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम के नाम का एलान सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए शशवत सचदेव ने पुरस्कार जीता है। इस पर आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने जताई खुशी

बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार साल 2024 के लिए प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं

का एलान हो चुका है। 'आर्टिकल 370' को तीन पुरस्कार मिलने पर आदित्य धर गदगद हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया है। 'धुरंधर' डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर खुशी जताई है और यह वादा किया है कि वे इसी तरह की कहानियां लाते रहेंगे।

शब्दों में बयां करना मुश्किल

आदित्य धर ने लिखा है, 'फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन नेशनल अवॉर्ड जीतना एक ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह अनुभव मुझे विनम्र और भावुक बनाता है और मेरा दिल गहरे आभार से भर देता है। जब हमने यह फिल्म बनाने का फैसला किया, तो हमारा मकसद अवॉर्ड पाना नहीं था। हम ईमानदारी, हिम्मत और सच्चाई के साथ एक कहानी कहने के पक्के इरादे से प्रेरित थे। यह देखना वाकई बहुत सुखद है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है।

ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे

आदित्य ने आगे लिखा है, 'जियो स्टूडियोज में

हमारे पार्टनर्स, खासकर ज्योति देशपांडे का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अटूट भरोसे के साथ इस फिल्म का साथ दिया और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा दिया। पुरस्कार मिलना खुशी तो है ही, साथ ही वे आगे की जिम्मेदारी की याद भी दिलाते हैं। यह सम्मान हमारे इस भरोसे को और मजबूत करता है कि ईमानदारी, पक्के इरादे और मकसद के साथ कही गई

कहानियां हमेशा अपनी जगह बना ही लेती हैं। यह मजिल नहीं है। यह एक वादा है कि हम नई सीमाएं तय करते रहेंगे, ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे, जो मायने रखती हैं और ऐसा सिनेमा बनाते रहेंगे जो बातचीत शुरू करें। भावनाओं को जगाए और एक गहरी छाप छोड़े। दिल की गहराइयों से... धन्यवाद। यह सम्मान हम सभी का है। जय हिंद।'

यामी और प्रियामणि के अभिनय को सराहा

इस शानदार सम्मान के लिए सम्मानित जूरी का और उन सभी लोगों का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ, जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, उसे सपोर्ट किया, उस पर चर्चा की और उसमें भरोसा जताया। आपके प्यार ने इस फिल्म को स्क्रीन से परे एक नई जिंदगी दी। यह सम्मान हमारे बेहतरीन डायरेक्टर, आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी सोच और पक्के इरादे ने हर फ्रेम को आकार दिया। यामी गौतम और प्रियामणि का भी शुक्रिया, जिन्होंने अपनी एक्टिंग में इतनी गहराई, मजबूती और सच्चाई दिखाई। शाशवत सचदेव का भी धन्यवाद, जिनका संगीत हमारी कहानी कहने की कला की जान बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी शुक्रिया, जिनकी लगातार मेहनत, जुनून और भरोसे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।'



संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई मां ने एक साथ चार जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की 34 वर्षीय जेनिथार सौ नाओमोआना ने क्वींसलैंड के रॉयल ब्रिस्बेन एंड विमेंस हॉस्पिटल में एक साथ चार समान जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। यह एक अत्यंत दुर्लभ प्राकृतिक गर्भावस्था थी, जिसमें एक ही निषेचित अंडाणु चार भागों में विभाजित हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति बनने की संभावना 1.5 करोड़ में से 1 होती है और ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहली बार हुआ है। महिला के पहले से चार बच्चे हैं। डॉक्टरों की देखरेख में 14 जुलाई को सिजेरियन डिलीवरी के जरिये बच्चियों का जन्म हुआ।

चीनी रक्षा अताशे ने 12 नागरिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना का जताया आभार

बीजिंग, एजेंसी। भारत में चीन के नए रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने मंगलवार को चीनी सेना (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पिछले साल जून में केरल तट के पास विस्फोट के बाद मालवाहक जहाज से 12 चीनी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य जुड़ाव, संचार और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। जियान ने कहा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं। दोनों देशों के साझा हित उनके मतभेदों से कहीं अधिक बड़े हैं।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 4 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहम्मद जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक खुफिया-आधारित अभियान के दौरान तहरीक-ए-तालिबान के चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस के अनुसार, इलाके में उग्रवादियों की मौजूदगी की संटीक जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई थी। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच लगभग एक घंटे से अधिक समय तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और इलाके में छिपे अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भारत से पहली सीधी मालगाड़ी पहुंची नेपाल, द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल व्यापार के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत कैलासा दानों से लदी मालगाड़ी पहली बार 20 जुलाई को कोलकाता पोर्ट से विराटनगर स्थित नेपाल कस्टम्स यार्ड पहुंची। 40 वैगन वाली यह मालगाड़ी जोगबनी स्थित भारतीय सीमा शुल्क यार्ड के रास्ते पहुंची। नवंबर 2025 में संशोधित भारत-नेपाल पारामगन संधि के बाद इस रेल गतिपथी का यह पहला व्यावसायिक उपयोग है। ज्ञात हो कि जोगबनी-विराटनगर ब्रॉडगेज रेल लिंक का उद्घाटन 1 जून 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन नेपाली पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। भारत से सहायता प्राप्त इस परिचालन से रफद लागत घटेगी और कोलकाता व विशाखापत्तनम बंदरगाहों से माल सीधे नेपाल पहुंचेगा।

नाइजीरिया में स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में हैजा का प्रकोप, बर्नी राज्य में 200 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वच्छ पानी और पर्याप्त सफाई व स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बर्नी में पिछले दो महीनों में हैजा के प्रकोप में लगभग 200 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा मानवीय संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडिसिन्स स्नैस फ्रंटियर्स-एमएसएफ भी कहते हैं) ने दी है। बुधवार को स्थानीय समान्यनुसार जारी एक बयान में एमएसएफ ने बीमारी के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि चल रहे राहत प्रयासों के बावजूद यह बीमारी स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी पड़ सकती है। एमएसएफ ने बर्नी राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 12 जुलाई तक राज्य में कम से कम 198 लोगों की मौत हो चुकी थी और 35,500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए थे। संगठन ने बताया कि भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों और मानवीय सहायता समूहों के साथ मिलकर काम करते हुए उसने 12 जुलाई तक हैजा के संदिग्ध 24,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। समाचार एजेंसी सिन्हूआ के अनुसार, संगठन ने प्रभावित समुदायों में स्वच्छपानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रगण्य उपलब्धता को बीमारी के लगातार फैलने का कारण बताया। अप्रैल में नाइजीरिया के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भारी बारिश और बाढ़ से जुड़े हैजा के प्रकोप के खतरे को देखते हुए 10 राज्यों को उच्च सतर्कता पर रखा था।

केन्या में बड़ा हादसा, भारी बारिश से सोने की खदान ढहने से 5 खनिकों की दर्दनाक मौत

नैरोबी, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी केन्या के नारोक काउंटी से एक बहुत ही दुखद और भयानक मौदा सामने आ रहा है। यहां भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान की सुरंग अचानक ढह गई है। इस खदान हादसे में कम से कम पांच खनिकों की दर्दनाक मौत हो गई है। प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में पूरी तरह से जुटे हुए हैं। नारोक काउंटी के पुलिस कमांडर पैट्रिक लोबोली ने इस भयानक घटना और मौतों की आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस ढही हुई सुरंग के अंदर अभी भी कई खनिकों के फंसे होने की भारी आशंका है। बचाव दल उन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अभी तक कई घायल खनिकों को बचाकर

पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए भेजा गया है। राहत और बचाव में आ रही मुश्किल : पुलिस कमांडर लोबोरिया ने बताया कि किलिमापेसा इलाके में तलाशी और बचाव का काम लगातार चल रहा है। लेकिन विशेष खनन उपकरणों और अंडरग्राउंड कैमरों की कमी के कारण इस काम में काफी परेशानी आ रही है। इन जरूरी मशीनों के अभाव में खदान के अंदर चल रहा बचाव अभियान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। फिर भी बचाव दल अपनी पूरी ताकत और हिम्मत के साथ फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। किलिमापेसा व्यावसायिक खदान : यह भीषण हादसा नारोक शहर से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में स्थित

फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा, पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

कहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे पराणु करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बर्नी बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपींगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बिल के दो प्रावधानों से सबसे ज्यादा विवाद : 1. कीटनाशकों की मंजूरी : प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराइडफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना। इसका इस्तेमाल चुकंदर, सेब और चैरी की खेती में किया जा सकेगा।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घटेगी जिससे पराणु पर



असर पड़ेगा। इससे किसानों की पैदावार और आय पर उल्टा असर पड़ेगा।

2. पानी जमा करने की इजाजत: किसानों को सिंचाई के लिए बड़े जलाशय या कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति आसानी से मिले।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि ये जलाशय भूजल और नदियों से बड़ी मात्रा में पानी भरते हैं। इससे गर्मियों में नदियों और भूजल का स्तर घट सकता है जिससे पारिस्थितिक तंत्र पर असर पड़ेगा।

आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान : इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रुढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे

पारित कराया जा सके। बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा, पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।

कीटनाशकों की मंजूरी के पीछे सरकार का तर्क : सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे

देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है। फ्रांस की कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड ने बारबू के विरोध पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, 'अगर यह कानून विरोध या राजनीतिक कारणों से पास नहीं होता, तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रहे किसान और ज्यादा संकट में आ जाते।'

पहले भी विवाद में रहा है यह कीटनाशक : एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराइडफ्यूरोन रसायन नियोनिकोटिनाइड नाम के कीटनाशकों के समूह में आते हैं। यूरोपीय संघ के नियमों के तहत इनका इस्तेमाल कुछ शर्तों के साथ किया जा सकता है, लेकिन फ्रांस में इन पर फिलहाल प्रतिबंध है। एसेटामिप्रिड पर फ्रांस ने 2018 में प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि इसे मधुमक्खियों और दूसरे पराणु करने वाले कीड़ों के लिए हानिकारक माना गया था।

एक साल पहले भी इस रसायन पर बैन हटाने की कोशिशें हुई थीं लेकिन फ्रांस की सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खतरा पैदा हो सकता है। इस प्रस्ताव के खिलाफ 20 लाख से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर कर विरोध जताया था।

पाकिस्तान के कराची में एचआईवी का प्रकोप, 6 मासूमों की मौत, 94 बच्चे संक्रमित, दहशत में सिंध प्रांत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर कराची इस समय एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की चपेट में है। शहर के एक सरकारी अस्पताल में एचआईवी का भयानक प्रकोप सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर से अब तक इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की वजह से 6 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 94 बच्चे संक्रमित पाए गए हैं।

नवंबर 2025 से शुरू हुआ मौतों का सिलसिला : सिंध प्रांत के स्वास्थ्य सचिव ताहिर हुसैन सांगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमण का यह सिलसिला नवंबर 2025 में कराची के कुलसूम बाई वालिका अस्पताल से शुरू हुआ था। यह अस्पताल 'सिंध एम्प्लॉइज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन' द्वारा संचालित किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई आंतरिक



जांच में यह खुलासा हुआ है कि अस्पताल का रिकॉर्ड संक्रमण की भयावहता की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल इस महीने में ही 16 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमित बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 94 हो गई है। आसपास के इलाकों में फैला संक्रमण : अस्पताल में बच्चों के संक्रमित होने की खबर मिलते ही सिंध स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर टेस्टिंग शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य सचिव के अनुसार, अस्पताल के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 10,000 लोगों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 120 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन संक्रमितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। प्रशासन अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि संक्रमण का प्रारंभिक स्रोत क्या है और यह इतनी तेजी से आबादी के बीच कैसे फैला।

पाकिस्तान में कैसे फैला एचआईवी : पाकिस्तान में HIV

अमेरिका: एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में भारतवंशी अमीश शाह जीते, अब किससे होगा मुकाबला?

फिनक्स (एरिजोना), एजेंसी। भारतीय मूल के अमीश शाह ने बुधवार को एरिजोना के एक अहम कांग्रेस (संसद) क्षेत्र में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। यह काफी कड़ा मुकाबला था। शाह की जीत से डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैपेन केमेटी (डीसीसीसी) को झटका लगा है, क्योंकि उसने शाह के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया था। यह तर्जिजा ऐसे समय आया है, जब ज्यादा से ज्यादा मतदाता वाशिंगटन में पार्टी नेताओं की पसंद को खारिज कर रहे हैं।

आपातकालीन चिकित्सक अमीश शाह अब आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फोली का सामना करेंगे। फोली नेजमल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के पूर्व खिलाड़ी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव में उनका समर्थन किया था। राजनीति में विरोधी बनने से पहले फोली और शाह एक ही टीम न्यूयॉर्क जेट्स का हिस्सा थे। शाह टीम के किनारे तैनात डॉक्टर थे, जबकि फोली टीम के क्रिकर थे। डीसीसीसी ने मालीन गैलन-वूड्स का समर्थन किया था। वह पहले रिपब्लिकन पार्टी में थीं और ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गई थीं। पहले कांग्रेस क्षेत्र के लिए यह मुकाबला काफी अहम माना जा रहा था। इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी फ्रीनिक्स, स्कॉट्सडेल, फाउंटेन हिल्स और पैराडाइज वैली जैसे समृद्ध इलाके शामिल हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा, इसे तय करने में यह चुनाव



भूमिका निभा सकता है। हालांकि, इस क्षेत्र में रिपब्लिकन मतदाता ज्यादा हैं, लेकिन पिछले एक दशक में यहां के लोगों की राजनीतिक सोच कुछ हद तक बदली है। यह सीट खाली हुई है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में वह एंडी बिम्स से हार गए। डीसीसीसी के गैलन-वूड्स को समर्थन देने के फैसले से स्थानीय डेमोक्रेट्स हैरान थे। इसकी वजह यह थी कि गैलन-वूड्स और शाह की राजनीतिक सोच में ज्यादा अंतर नहीं था। दोनों ही बीच की राजनीतिक सोच रखने वाले उम्मीदवार हैं। यह चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ते प्रतिश्लील और मध्यमगीन नेताओं के बीच विवाद का हिस्सा भी नहीं था। यह मुकाबला कुछ हद तक 2024 के चुनाव जैसा था। उस समय शाह ने कई उम्मीदवारों के बीच हुए प्राइमरी मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। उस चुनाव में गैलन-वूड्स भी शामिल थीं। हालांकि, आम चुनाव में शाह हार गए थे। उस साल डीसीसीसी ने प्राइमरी में किसी उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया था।